RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

हर सुनी-सुनाई बात पर यकीन मत करिए। एक कहानी के हमेशा तीन पहलू होते हैं। आपका, उनका और सच।

बी.के. शिवानी दीदी

वर्ष-06, अंक - 23 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 29 फरवरी 2024 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

कांग्रेस मुक्त भारत या कांग्रेस युक्त भाजपा...!

माही की गूंज, संजय भटेवरा।

झाबुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई मंचों से कांग्रेस मुक्त भारत बनाने का आव्हान कर चुके हैं और इसके लिए वे लगातार प्रयास भी कर रहे हैं। उनके विश्वस्त सहयोगी देश के गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही में मध्यप्रदेश का दौरा किया और सार्वजनिक रूप से मंच से कार्यकर्ताओं से अपील भी जारी करी कि वे निराश कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को भाजपा से जोडे, इनसे उनके हक पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा वे आपका हक नहीं छीनेंगे। वहीं विधायक और सांसदों का मामला शीर्ष नेतृत्व पर छोड़ दे। जिसके बाद आम लोगों का यही कहना है कि, क्या बीजेपी का ऐसा ही कांग्रेस मुक्त भारत बनाने का प्लान है...! जिसमें कांग्रेसी नेताओं को एक तरफा भाजपा में शामिल करवाया जा रहा है जिससे कांग्रेस मुक्त भारत नहीं बल्कि कांग्रेस युक्त भाजपा अवश्य बन रही है। जिसको लेकर सोशल मीडिया पर कटाक्ष चल रहा है कि, भाजपा में इतने कांग्रेसी शामिल हो रहे हैं कि, अगर वे एक साथ पाला बदल ले तो देश रातों-रात भाजपा मुक्त बन जाएगा।

गृहमंत्री भले ही यह कह रहे कि, कांग्रेसी के भाजपा में शामिल होने से उनके हित प्रभावित नहीं होगें, जबकि हकीकत ठीक इसके उलट दिखाई दे रही है। कांग्रेस के नेताओं को भाजपा में शामिल करवा कर हाथों-हाथ उन्हें महत्वपूर्ण पद भी दिए जा रहे हैं जिससे वर्षों पुराने कार्यकर्ता अपने आप को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। लेकिन फिलहाल वे कुछ विरोध करने की स्थिति में नहीं है। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि, भाजपा का यह कदम भाजपा के लिए आने वाले समय में नुकसान दायक साबित हो सकता है। क्योंकि जो भी दल बदल कर भाजपा में शामिल हो रहा है वो व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा लेकर आ रहा है। ऐसे में आकांक्षा पूरी न होने से उसकी निष्ठा बदलते हुए भी देर नहीं लगेगी।

ये कैसी बालिका सुरक्षा व्यवस्था...!

माही की गूंज, झाबुआ।

मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार के मुखिया रहे पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान हमेशा से ही ये कहते आ रहे हैं कि, शासन और प्रशासन आम जनता के लिए फूलों के जैसा कोमल और अपराधियों के लिए वज्र के समान कठोर होना चाहिए लेकिन क्या वास्तव में ऐसा हो रहा है...?

यह होना तो चाहिए लेकिन हो रहा है इसके ठीक उलट। अधिकारियों के मन में तो शासन प्रशासन का कोई भय नहीं है वरन आम आदमी चौकी और थाने में जाने से भय महसूस करता है। यही नहीं कानून की दृष्टि में सभी समान होना चाहिए लेकिन कानून के रखवाले अपराधियों की खातिरदारी करते भी नजर आते हैं। वहीं आम जनता के प्रति उनका व्यवहार ठीक नहीं रहता है।

प्रत्येक शासकीय कार्यक्रमों की शुरुआत कन्या पूजन करने वाली भाजपा सरकार में बालिकाएं कितनी सुरक्षित है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि, यहां के छात्रावासों में रहने वाली बालिकाएं कितनी सुरक्षित है कि, यहां आए दिन इन बालिकाओं से छेड़छाड़ की शिकायतें आती रहती है और हर बार घटना होने के बाद महज कुछ कागजी घोड़े दौड़ा कर मामले को रफा -दफा कर दिया जाता है।

हाल ही में राणापुर ब्लॉक के कंजावानी छात्रावास की घटना में स्थानीय प्रशासन की मदद न मिलने पर छात्राओं ने सीएम हेल्पलाइन 181 पर शिकायत दर्ज की ओर बाल आयोग के दल की जांच के बाद मामले का खुलासा हुआ। जिसके बाद जिला प्रशासन हरकत में आया और निलंबन एवं प्राथमिकी दर्ज करने संबंधी कार्यवाही की गई है। लेकिन ये कार्यवाही केवल कागजी खानापूर्ति तक ही सीमित दिखाई दे रही हैं। क्योंकि पूर्व में भी जिले में इस प्रकार की कई घटनाएं हो चुकी है। यहां तक की राज्यपाल महोदय के समक्ष भी छात्राओं ने अपनी पीड़ा व्यक्ति की थी जिसके बाद भी प्रशासन ने महज कागजी कार्रवाई कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। संयोग देखिए की एक बार फिर राज्यपाल के दौरे के दौरान ही कंजावानी छात्रावास का मामला सामने आया और एक बार फिर आदिम जाति कल्याण विभाग के छात्रावासों की व्यवस्था संदेह के घेरे में है।

छात्रावासों के संचालन और अधीक्षकों की नियुक्ति को लेकर शासन ने कई नियम बनाए रखे हैं लेकिन वे नियम केवल कागजों तक ही सीमित है। क्योंकि छात्रावास अधीक्षक का पद मलाईदार पद माना जाता है और इसके लिए कई दावेदार रहते हैं। राजनीतिक दल के व्यक्तियों का भी इसमें सीधा दखल रहता है और वे भी अपने चहेतो को यह पद दिलाते हैं और इन चेहेतो को उपकृत करने में कई नियम को भी ताक में रख दिया जाता है और इसलिए प्रशासनिक नियंत्रण भी शिथिल हो जाता है और हॉस्टल अधीक्षक मनमानी करते रहते हैं। जिससे हॉस्टलों में अव्यवस्थाएं बढ़ती जा रही है। शासन-प्रशासन को चाहिए कि इन छात्रावासों के संचालन के लिए बनाए गए नियमों को अक्षरशः पालन करवाए तथा इनको राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त रखें। जिससे इनमें रहने वाले छात्र-छात्राएं भय मुक्त होकर अध्ययन कर सके क्योंकि इनमें केवल विद्यार्थी नहीं पढ़ रहे बल्कि देश का भविष्य भी है।

शिवराज-सिंधिया पर भाजपा खेलेगी बड़ा दांव...!

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी जल्दी ही लोकसभा चुनाव में उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर सकती है। मध्य प्रदेश की राजधानी में राज्य की 29 लोकसभा सीटों को लेकर मंथन भी हुआ है। खबरें हैं कि, प्रदेश नेतृत्व नामों की सूची लेकर दिल्ली जा सकता है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि 2024 चुनाव में भाजपा पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और कद्दावर नेता कैलाश विजयवर्गीय पर बड़ा दांव खेल सकती है।

बड़ी संख्या में सांसदों का कटेगा टिकट

एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि, पार्टी करीब 21 सांसदों को बदल सकती है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। फिलहाल, राज्य की 29 में 28 पर भाजपा का कब्जा है। कहा जा रहा है कि, विधानसभा चुनाव में 7 सांसदों का प्रयोग करने वाली भाजपा इन सभी सीटों पर नए उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगा सकती है।

ये नाम चल रहे आगे

रिपोर्ट्स के अनुसार, भाजपा चौहान और सिंधिया को दो-दो सीटों से मैदान में उतार सकती है। इनमें चौहान पर भाजपा का गढ़ कहे जाने वाले विदिशा और राजधानी भोपाल का नाम है। वहीं, सिंधिया गुना के अलावा ग्वालियर से भी दावेदारी पेश कर सकते हैं। आसार हैं कि, पार्टी राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को इंदौर से लोकसभा चुनाव में उतार सकती है। विजयवर्गीय ने 2023 विधानसभा चुनाव लड़ा और जीता था।

किस सीट पर कौन सा नाम आगे

एक रिपोर्ट के अनुसार, भोपाल से प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, चौहान, नरोत्तम मिश्रा, रामेश्वर शर्मा और सुमित पचौरी का नाम आगे चल रहा है। वहीं, विदिशा सीट पर पार्टी चौहान के अलावा रमाकांत भार्गव और रामपाल सिंह के नाम पर विचार कर सकती है। इधर, गुना से केपी सिंह यादव का नाम भी आगे चल रहा है। खास बात है कि, यादव ने 2019 लोकसभा चुनाव में तब कांग्रेस प्रत्याशी रहे सिंधिया को हराया था। इंदौर से विजयवर्गीय के अलावा शंकर ललवानी और पुष्यमित्र भार्गव का नाम आगे माना जा रहा है। मंदसौर से पार्टी देवीलाल धाकड़, यशपाल सिंह सोसिदिया, मदन राठौर या सुधीर गुप्ता के नाम पर दांव खेल सकती है। सागर से गौरव सिरोठिया, राजबहादुर सिंह, रजनीश अग्रवाल और लता वानखेड़े के नाम पर चर्चा की गई।

सैलाना विधायक पर एक करोड़ रुपए मांगने के आरोप के बाद मामला गरमाया

अगर मेडिकल संचालक फर्जी था तो उसे फोन कर कार्यालय पर बुलाने की क्या थी आवश्यकता...?

सांसद चुनाव के लिए 20 करोड़ इकट्ठा करना चाहते हैं विधायक डोडियार के भी लगे आरोप

पहले भी विधायकों को फर्जी चिकित्सक देते रहे हैं पैसा - सैलाना विधायक डोडियार

माही की गूंज, बाजना(डेस्क न्यूज़)

अपने आप को मालिक का बंदा बताने वाले भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार पर मेडिकल संचालक द्वारा एक करोड रुपए मांगने का आरोप लगने के बाद उक्त मामला रतलाम जिले के साथ प्रदेश स्तर तक उछल गया है। पूर्व में भी कमलेश्वर डोडियार अपने बयानों से सुर्खियों में रहे है। वहीं कमलेश्वर डोडियार सैलाना विधायक बनने के बाद रतलाम संसदीय सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने का दावा भी कर चुके है। ऐसे में विधायक पर लगे आरोप की सत्यता कहां तक सही है यह तो निष्पक्ष जांच होने के बाद ही सामने आएगा। उक्त गंभीर मामला सामने आने के बाद माही की गूंज टीम ने मामले की हकीकत जानना चाही तो सामने यही आया कि 19 फरवरी को सैलाना विधायक ने बाजना के मॉ मेडिकल संचालक तपन राय को फोन लगाकर बुलाया और तपन राय को विधायक कमलेश्वर डोडियार ने क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित हो रहे फर्जी दवाखानों एवं डॉक्टरो का सरदार है तपन राय को माना। तथा अवैध मेडिकल व नकली दवाइयां बेचने पर एक कागज में लिखकर एक करोड रुपए की मांग तपन राय से सैलाना विधायक ने की।

एक करोड रुपए की मांग का कारण भी यह सामने आया कि, विधायक कमलेश्वर डोडियार सांसद का चुनाव लड़ने के लिए 20 करोड रुपये इकट्ठा करना चाहते हैं। लेकिन पूरी सत्यता जांच पर ही निर्भर है।

क्या अन्य विधायक भी ले रहे रिश्वत कमलेश्वर डोडियार के बयान के आधार पर हो जांच

वही सैलाना विधायक पर एक करोड रुपए रिश्वत मांगने का मामले के आरोप के साथ मामला गरमाने पर सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार मीडिया को बयान दे रहे हैं कि, एक मेडिकल या क्लीनिक चलाने के लिए डॉक्टर के पास डिग्री होना चाहिए और जो डिग्री है वो डिग्री के अनुसार ही संबंधित डिग्रीधारी डॉक्टर अपना क्लीनिक खोल सकता है। उक्त बयान तो विधि संपत व जनहितैषी बयान है और होना भी यह चाहिए। लेकिन हमारा पूरा सिस्टम भ्रष्टाचार व रिश्वत की मीनार पर खड़ा है नतीजन यह तो पूर्णतः सत्य है कि बाजना या रतलाम जिला ही नहीं बल्कि झाबुआ- अलीराजपुर आदि प्रदेश के प्रत्येक जिलों में स्वास्थ्य सुविधा के नाम पर फर्जी डॉक्टरो, बंगालियों व बांग्लादेशियों द्वारा उपचार किया जाता रहा है और प्रशासन खानापूर्ति के साथ कार्रवाई की इतिश्री अक्सर करते रहे हैं और उक्त फर्जी क्लिनिक निरंतर बढ़ते क्रम में संचालित हो रहे हैं।

वहीं सैलाना विधायक पर रिश्वत का आरोप लगने के बाद खुले रूप से मीडिया को यह भी कह रहे हैं कि, अवैध कारोबार को चलाने के लिए अन्य विधायकों को ये लोग पैसा देते आए हैं और अवैध रूप से अपने क्लीनिक संचालित करते रहे हैं। वहीं अपने बचाव में डोडियार कह रहे हैं कि, एक करोड़ का आरोप लगाने वाला डॉक्टर तपन राय रिश्वत देने के नाम पर 20 लाख रुपए लेकर उनके पास आया था और विधायक साहब ने कह दिया कि एक करोड रुपए भी मुझे दोगे तो भी मैं नहीं लूंगा और तेरा अवैध कार्य में नहीं करने दूंगा का अपने बचाव में बयान दिया।

सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार जिन पर 1 करोड़ रूपये मांगने का आरोप।

मेडिकल संचालक तपन राय जिसने विधायक पर 1 करोड़ रूपये मांगने का लगाया आरोप।

लेकिन विधायक ने अपने बयान में यह कहीं नहीं कहा कि मेने फोन कर तपन राय को नहीं बुलाया था।

मामले में माही की गूंज ने फोन पर सीधे तपन राय से संपर्क किया और हकीकत जानना चाही तो तपन राय ने बताया कि, 19 फरवरी को 2 से 3 बार एक नंबर से फोन आया, मुझे नहीं मालूम था कि वह विधायक का नंबर है, एक बार फोन रिसीव किया तो मुझसे सामने वाला बेबुनियाद जानकारी पूछ रहा था तो मेने फोन काट दिया। कुछ देर बाद मेरे कर्मचारियों के पास फोन आया और उसने कहा मैं सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार बोल रहा हूं और मुझसे बात करने का कहा। जिस पर मेने बात की तो विधायक ने कहा, तू अवैध रूप से कामकाज कर रहा है, मेडिकल पर नकली दवाई बेचता है आदि बात कही जिस पर मैंने कहा मैं ऐसा धंधा नहीं करता हूं। जिसके बाद विधायक ने कहा मुझसे सैलाना आकर मिल नहीं तो ठीक नहीं रहेगा। जिस पर मैंने कहा साहब मेरे पास बैंक कार्य है मैं कल आकर मिलता हूं। जिस पर विधायक ने कहा नहीं मुझे कल नहीं अभी के अभी आकर मिल। जिस पर मैं दो साथियों के साथ सैलाना विधायक से मिलने गया जहां किसी नोतरे आयोजन में विधायक साहब गए हुए थे ।करीब 1 घंटे बाद वह आए और मुझे अंदर बुलाया, अंदर जाने के पहले गार्ड ने मेरा मोबाइल बाहर रखवा दिया और अंदर जाने पर विधायक साहब ने पहले तो राजनीति की जानकारी ली जिसके बाद मैंने कहा आप विधानसभा के विधायक है, हम आपसे मिलकर ही चलेंगे। जिस पर विधायक साहब ने मुझे कहा, मिलने-मिलाने से कुछ नहीं होता मेरे लिए क्या कर सकते हो कह कर हाथ से ईशारा किया और सीधे रूप से मुझसे कहा मुझे सांसद का चुनाव लड़ना है और मुझे 20 करोड रुपए की आवश्यकता है, तथा एक करोड रुपए आपसे लेना है। जिस पर मैंने कहा मेरे पास एक करोड़ रूपया होता तो मैं बाजना क्यों रहता। फिर उन्होंने बोला यह तुम्हारा प्रॉब्लम है उसके बाद विधायक साहब ने कागज के टुकड़े पर 1 सीआर मतलब एक करोड लिखकर दिया और कहा यह दे सकते हो तो यहां रहो नहीं तो बंद करके यहां से चले जाओ। जिस पर तपन राय ने यहां से चले जाने तक की बात कह दी। साथ ही विधायक ने तपन राय को 3 हज़ार फर्जी डॉक्टरों का सरदार भी माना। जिसके बाद तपन राय व उसके दो साथी सैलाना से आ गए। वही 23 फरवरी को दिन में विधायक कमलेश्वर डोडियार अपने साथी, विधायक प्रतिनिधि दशरथ डिंडोर के साथ तपन राय के मॉ मेडिकल स्टोर पर पहुंचे।

और करीब चार घंटे तक वहां बैठकर सभी स्थानीय से लेकर जिला स्तर के अधिकारियों को मेडिकल पर कार्रवाई करने हेतु फोन लगाकर आदेश देते रहे लेकिन वहाँ कोई अधिकारी नहीं पहुंचे।

वहीं जब बाजना के बीएमओ को फोन लगाकर कहा कि, मैं अपने अन्य साथियों के साथ आकर धरना दूगा। जिसके बाद बीएमओ साहब मेडिकल पर पहुंचे और दस्तावेजों की जांच कर कुछ नोट्स लिखकर चले गए।

उक्त सारी बात माही की गूंज को तपन राय ने बताई।

पूरे मामले में निष्कर्ष के रूप में निकलकर यही बात सामने आ रही है कि, विधायक अगर वास्तविक रूप से फर्जी क्लिनिक व डॉक्टरो पर कार्रवाई चाहते थे या अवैध मेडिकलों पर कार्रवाई चाहते थे तो क्षेत्र के समस्त फर्जी मेडिकल व चिकित्सको व क्लीनिको का डाटा संग्रहित कर प्रशासन को कार्रवाई हेतु एक विधायक के नाते शिकायत कर सकते थे। अगर शिकायत पर कार्रवाई नहीं होने पर विधानसभा में अपनी बात रख इसे प्रादेशिक स्तर पर कार्रवाई करने की मांग भी सरकार से कर सकते थे। ऐसे में क्षेत्र ही नहीं प्रदेश की जनता की सहानुभूति सैलाना विधायक के साथ रहती। लेकिन विधायक साहब ने फोन कर मेडिकल संचालक तपन राय जिसे क्षेत्र के करीब 3 हज़ार फर्जी डॉक्टरों का सरदार मानकर सांसद के चुनाव लड़ने हेतु एक करोड़ की मांग अपने कार्यालय में बुलाकर करना कहा तक उचित था...?

वही विधायक साहब ने यह भी कहा कि, अन्य विधायकों को फर्जी चिकित्सक अपने अवैध कारोबार के लिए पैसे देते रहे है। तय है विधायक के उक्त बयान की भी जांच होना चाहिए। साथ ही विधायक पर आरोप लगाने वाले मेडिकल संचालक तपन राय को, विधायक द्वारा फोन लगाकर बुलाया गया या नहीं...? की भी उच्च स्तरीय जांच के साथ पूरा मामला जनता के सामने आना ही चाहिए। अगर जांच में आता है कि, फोनकर तपन राय को विधायक ने ही बुलवाया है तो शिकायतकर्ता के आरोप पूर्णतः सत्यता की ओर भी जाच में सामने आ सकता हैं। खैर जाच में क्यां सामने आता या मामले को ठंडे बस्ते डाल दिया जाएगा यह बाद में ही पता चलेगा।

पटवारी परीक्षा रद्द करने और जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग कर रहे अभ्यर्थी हिरासत में

भोपाल।

मध्य प्रदेश में पटवारी भर्ती परीक्षा को रद्द करने की मांग तेज होती जा रही है। बुधवार को भोपाल में नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन के बैनर तले अभ्यार्थी परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर एकजुट हुए। एमपी नगर चौराहे पर एकजुट होने के बाद अभ्यार्थी वल्लभ भवन की तरफ बढ़े। पुलिस ने उनको व्यापम चौराहे के पास बैरिकेटिंग कर रोक लिया। इसके बावजूद आगे बढ़ने की बात पर अड़े कुछ अभ्यार्थियों को हिरासत में ले लिया। अभ्यार्थी पटवारी परीक्षा की नियुक्ति प्रक्रिया को तत्काल रद्द करने, परीक्षा की जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक करने, मुख्य न्यायाधीश के नेतृत्व में तकनीकी विशेषज्ञों की कमेटी से जांच कराने, दोषियों को सख्त सजा दिलाने और दोबारा परीक्षा आयोजित करने की मांग कर रहे है। उनका कहना है कि उनकी मांग नहीं मानी गई तो दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करेंगे।

इन सवालों के जवाब पूछ रहे अभ्यार्थी

- जांच समिति ने परीक्षा में टॉपर अभ्यार्थी के बयान लिए।
- क्या टॉपर के आपसी संबंधी और कनेक्शन की जांच की।

- ग्वालियर के एक सेंटर से 10 में से 7 और प्रदेश के केवल 3 केंद्रों से 50 में से 34 टॉपर कैसे आ गए...?
- क्या टॉपर की 10वीं और 12वीं की मार्कशीट की जांच की गई...? क्या टॉपर में बोर्ड परीक्षा 35 प्रतिशत अंक से पास करने वाले भी है....?
- पटवारी भर्ती परीक्षा में पास कुछ अभ्यार्थी दिव्यांग यानी उनके कानों से सुनाई नहीं देता, जबकि वह वनरक्षक की भर्ती में फिट थे। यह कैसे संभव है...?
- क्या टॉपर का लॉग इन टाइम चेक किया गया, उसने कितने बजे सिस्टम में लॉगिन किया, कितने घंटे में पेपर को हल किया...?
- मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड यानी ईएसबी के सर्वर की जांच की गई...?

कमलनाथ ने साधा सरकार पर निशाना

पूर्व सीएम कमलनाथ ने पटवारी भर्ती परीक्षा को लेकर राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि, मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरी की भर्तियों में हो रहे भ्रष्टाचार और बहुत से सरकारी पदों पर भर्ती न होने के खिलाफ प्रदेश के नौजवान भोपाल में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इन युवकों की मांग है कि, पटवारी भर्ती परीक्षा को दी गई क्लीन चिट सही नहीं है और गलत तरीके से पास हुए लोगों पर कार्यवाही की जाए। प्रदेश में शिवराज सरकार के दौरान लगातार नौजवान यह मुद्दे उठाते रहे और डॉक्टर मोहन यादव सरकार में भी युवाओं को सरकारी नौकरियों में होने वाले इस भ्रष्टाचार और सरकार के उदासीन रवैये से जूझना पड़ रहा है।

चीनी झंडा देखकर डीएमके पर भड़के पीएम मोदी

चेन्नई। तमिलनाडु में इसरो से जुड़े एक विज्ञापन पर चीनी झंडा प्रकाशित होने से बवाल मचा हुआ है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस मामले में डीएमके सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाए कि डीएमके काम नहीं करती, लेकिन क्रेडिट लेने के लिए हमेशा तैयार रहती है। तमिलनाडु भाजपा प्रमुख ने भी सवाल उठाए थे कि डीएमके लंबे समय से इसरो का अपमान करती रही है।

खबर यह है कि, डीएमके सरकार में मंत्री थिरु अनीता राधाकृष्ण ने की तरफ से एक विज्ञापन अखबारों में प्रकाशित कराया गया। इसमें सामने पीएम मोदी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की तस्वीर है। इसमें पीछे एक रॉकेट नजर आ रहा है, जिसपर सबसे ऊपर चीन का झंडा बना हुआ है। पोस्टर में सीएम के बेटे और राज्य सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन भी नजर आ रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा, डीएमके एक ऐसी पार्टी है, जो काम तो करती नहीं लेकिन झूठा क्रेडिट लेने के लिए आगे रहती है। यह कौन नहीं जानता कि हमारी स्कीम पर अपने स्टीकर चिपका देते हैं। अब तो इन्होंने हद कर दी। इन्होंने तमिलनाडु में इसरो लॉन्चपैड का क्रेडिट लेने के लिए इनका स्टीकर चिपका दिया है। ये तमिलनाडु डीएमके के नेता... अब देख ही नहीं सकते...। और इसलिए भारत की प्रगति देखने को तैयार नहीं है। उन्होंने आगे कहा, भारत के स्पेस की प्रगति देखने को तैयार नहीं है। और जो पैसे आप देते हैं, उन पैसे से उन्होंने एडवर्टाइजमेंट दिया और भारत के स्पेस का चित्र नहीं रखा।

आबकारी विभाग ने जब्त की भारी मात्रा में अवैध शराब

माही की गूंज, बरझर।

अलीराजपुर कलेक्टर अभय अरविंद बेडेकर के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी बृजेंद्र कोरी के मार्गदर्शन मे अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत वृत्त चंद्र शेखर आजाद नगर (भाभरा) के खिचड़िया का डोसा (रिंगोल) में मुखबिर की सूचना पर एक मकान से 198 पेटी माउंटए 6000 सुपर स्ट्रॉन्ग बीयर जब्त की। गश्त के दौरान आबकारी विभाग को मिली मुखबिर की औचक सूचना पर उक्त दबिश में एक सूने मकान से मदिरा जब्त कर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 संशोधित 2000 की धारा 34 (2) का प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। जप्त मदिरा का बाजार मूल्य 5 लाख 70 हजार 240 रुपए है। उक्त कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी गिलदार सिंह रावतके मार्गदर्शन में आबकारी उपनिरीक्षक जयश्री वर्मा त्रिपाठी ने की। जिसमें सब इंस्पेक्टर गंभीर सिंह वास्कले के साथ आबकारी आरक्षक कालुसिंह बघेल, हितेंद्र चावड़ा, शंकर लच्छेटा, अर्चना बरड़े, आयुष रावत, विवेक बरड़े, मनीष भायडिया का योगदान रहा।

व्यापारी की बुलेट चोरी वारदात कैमरे में कैद

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ के व्यापारी मुस्तफा तैयबअली बोहरा की बुलेट बाइक जो कि घर के बाहर खड़ी थी जो बीती रात दो लोग ले भागे, जिसके छायाचित्र वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए। घटना की सूचना पर थाना आम्बुआ में प्रकरण दर्ज कर चोरी की तलाश की जा रही है। चोरी से वाहन मालिकों में हड़कंप है।

व्यवसाई मुस्तफा बोहरा ने अभी कुछ दिनों पूर्व ही गुजरात से बुलेट बाइक क्र जीजे 06 एमजी 0502 खरीदी थी। जिसका नामांतरण अभी नहीं हुआ था को घर से बाहर खड़ी की थी। 26 फरवरी की आधी रात को दो युवक जो कि वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में दिखाई दे रहे हैं। वहां से लेकर भाग निकले घटना की सुबह पता चला तो उन्होंने अपने स्तर पर खोजबीन की। जब नहीं मिली तो थाना आम्बुआ में सूचना दी, जहां पर धारा 379 के तहत प्रकरण कायम किया जाकर सीसीटीवी कैमरे के फुटेज प्राप्त कर खोजबीन की जा रही है।

थाना प्रभारी योगेंद्र मंडलोई ने बताया कि, जांच जारी है तथा बहुत जल्दी आरोपी बुलेट सहित गिरफ्तार किए जाएंगे। स्मरण रहे कि इस क्षेत्र में पूर्व में भी कई मोटरसाइकिल चोरी हो चुकी है नागरिकों ने पुलिस गस्त बढ़ाने की मांग की है।

होली का डांडा गाड़ा गया शुभ कार्य वर्जित

माही की गूंज, आम्बुआ।

विगत दिनों बसंत पंचमी का पर्व मनाया गया। बसंत ऋतु होली त्यौहार के आने का संकेत भी देती है। बसंत पंचमी से वातावरण में फूलों की महक के साथ ही टेसू के लाल लाल अंगारों के समान दिखाई देने वाले फूलों को देख होली के रंगों की झलक दिखाई देने लगती है। माघ मास की पूर्णिमा को होली का डांडा गाड़ दिया जाता है। इसके साथ ही फाल्गुन माह का शुभारंभ हो गया। होली का डांडा गाड़ने के बाद से शुभ कार्य वर्जित हो जाते हैं जो की होलीका दहन के बाद पुनः चालू होंगे। 24 फरवरी की शुभ बेला में ग्राम के पुजारा ने विधि विधान के साथ होली का डांडा गाड़ दिया।

आज होगा विकसित भारत-विकसित मध्य प्रदेश की अवधारणा का मुख्य कार्यक्रम

प्रधानमंत्री मोदी वर्चुअल करेंगे विकास कार्यों का लोकार्पण, भूमि पूजन

माही की गूंज, खरगोन।

आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विकसित भारत-विकसित मध्य प्रदेश की अवधारणा के तहत भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में 12 हजार करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का वर्चुअल भूमि पूजन एवं लोकार्पण करेंगे। इसमें खरगोन की 93 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित खरगोन जल प्रदाय योजना का लोकार्पण भी शामिल है। जिले का मुख्य कार्यक्रम कृषि उपज मंडी खरगोन में आयोजित होगा।

मध्य प्रदेश शासन के निर्देश के अनुसार विकसित भारत-विकसित मध्य प्रदेश की अवधारणा के तहत विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से खरगोन सहित मध्य प्रदेश के 12 हजार करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम कर प्रदेश वासियों को संबोधित करेंगे। खरगोन जिले का मुख्य कार्यक्रम कृषि उपज मंडी खरगोन में आयोजित होगा। इसी प्रकार जिले के सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों एवं नगरीय निकायों में भी कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रमों में जन प्रतिनिधि भी उपस्थिति रहेंगे। विकसित भारत-विकसित मध्य प्रदेश की अवधारणा को लेकर प्रदेश की अनेक विकास कार्यों का भूमि पूजन लोकार्पण के साथ ही राज्य में नवनियुक्त शासकीय कर्मियों को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए जाएंगे और सायबर तहसील का शुभारंभ भी किया जाएगा।

सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में दीक्षांत समारोह का हुआ आयोजन

माही की गूंज, धार।

जिले के ग्राम गुजरी में सरस्वती शिशु मंदिर में कक्षा आठवी के भैया-बहनों का दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह में सर्वप्रथम कक्षा अष्टमी (आठवी) के भैया-बहनों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलंकर कर शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम छोटी कक्षाओं के भैया-बहन द्वारा कक्षा अष्टमी के भैया-बहनों के मस्तक पर तिलक लगाकर दीक्षांत समारोह कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। भैया-बहनों द्वारा बड़ी कक्षाओं के भैया-बहनों से कई खेल एवं प्रतियोगिताएं करवाई गई। भैया-बहनों द्वारा अष्टमी कक्षा के भैया-बहनों को उपहार प्रदान किए गए एवं साथ ही उन्हें आगे के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की गई। अष्टमी के भैया-बहनों द्वारा विद्यालय के अपने खट्टे-मीठे अनुभव सभी के बीच साझा किए गए एवं साथ में विद्यालय के आचार्य परिवार को अपनी याद हेतु प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए।

इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अखिलेश तिवारी द्वारा बताया गया कि, यहां से प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण कर आप आगे पढ़ेंगे उच्च शिक्षा प्राप्त करेंगे एवं अपना-अपना लक्ष्य प्राप्त करेंगे। परंतु यह प्रारंभिक शिक्षा जीवन पर्यंत आपके साथ रहना चाहिए यह प्रारंभिक शिक्षा जीवन भर हमारे साथ चलती है। इस अवस्था में हम संस्कार और ऐसे कई आचरण ग्रहण करते हैं जो हमें अंत तक साथ देते है। हमें उस फलदार वृक्ष की तरह बनना है जिस पर फल तोड़ने की आस में सभी पत्थर मारते हैं परंतु वृक्ष फिर भी बदले में केवल फल ही देता है। हमारा जीवन भी इसी अनुसार होना चाहिए बुरी संगति हमें कैसे भी मिले पर हमें अपना स्वभाव अपने प्रवृत्ति कभी नहीं छोड़ना चाहिए। हमारा लक्ष्य सिर्फ और सिर्फ राष्ट्र निर्माण ही होना चाहिए इसी लक्ष्य को साध कर आगे बढ़ाना है।

साथ ही प्रधानाचार्य द्वारा भैया बहनों को शुभकामनाएं दी गई। इस मौके पर सभी आचार्य परिवार द्वारा भैया-बहनों को शुभकामनाएं प्रेषित की गई। हमे आगे जीवन में क्या करना है क्या लक्ष्य तय करना है इस पर समझाया गया। अंत में सभी भैया बहनों द्वारा बड़े भैया-बहनों को शुभकामनाएं दी गई।

भोपाल सतपुड़ा भवन से हटकर अब उज्जैन जाएगा धर्मस्व विभाग का मुख्यालय

माही की गूंज, उज्जैन।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग को लेकर बड़ा निर्णय लिया है। इस विभाग का डायरेक्ट्रेट अब भोपाल से हटाकर सीएम डॉ. मोहन यादव के गृह जिले उज्जैन में शिफ्ट किया जाएगा। सीएम ने इस संबंध में एक नोटशीट विभाग को भेजी है। विभाग ने प्रशासकीय स्वीकृति के लिए मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी के पास प्रस्ताव भेजा है।

यह संचालनालय तीर्थ दर्शन सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक मेलों का आयोजन करता है। वर्तमान में धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग का संचालनालय सतपुड़ा भवन, भोपाल में संचालित होता है।

शिफ्टिंग के पीछे सिंहस्थ

मुख्यालय की शिफ्टिंग के पीछे का कारण उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ को बताया जा रहा है। हर 12 वर्ष में उज्जैन में सिंहस्थ का आयोजन होता है। अगस्त सिंहस्थ 2028 में होना है, इसमें धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग की बड़ी भूमिका रहेगी। धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग का मुख्यालय उज्जैन में शिफ्ट होने के बाद पूरा स्टाफ वहीं बैठेगा। हालांकि विभाग के प्रमुख सचिव व अन्य स्टाफ भोपाल में ही बैठेगा।

शिफ्टिंग की तैयारी की जा रही

धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग के प्रमुख सचिव ई रमेश के अनुसार सरकार की मंशा अनुसार धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग डायरेक्ट्रेट उज्जैन में शिफ्ट करने की कार्रवाई की जा रही है।

रामलला के दर्शन करने जा सकती है मोहन कैबिनेट

मध्य प्रदेश की मोहन कैबिनेट रामलला के दर्शन के लिए चार मार्च को अयोध्या जाएगी। इसमें मुख्यमंत्री मोहन यादव सही प्रदेश के सभी मंत्री शामिल होंगे। जानकारी के मुताबिक, कैबिनेट के साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता भी अयोध्या आ सकते हैं। रामलला के दर्शन के बाद अयोध्या में कैबिनेट की बैठक होगी। इसके लिए तैयारियां भी शुरू हो गई हैं।

यादों में पंकज उधास

फ़िल्मी दुनिया से आजकल दिल दुखाने वाली ख़बरें कुछ ज्यादा ही आ रही हैं। ऐसी ही एक खबर ने लोगों को चौंका दिया। ये थी 'चिट्ठी आई है' जैसी लोकप्रिय ग़ज़ल के गायक पंकज उधास का निधन। जिन चंद गायकों ने फ़िल्मी ग़ज़लों को जन-प्रसिद्धि दिलाई, उनमें जगजीत सिंह के अलावा पंकज उधास ही थे। जब ये खबर सामने आई तो लोगों के सामने उनका वो चेहरा घूम गया, जो उन्होंने 'नाम' फिल्म में परदे पर देखा था। क्योंकि, 'चिट्ठी आई है' उन पर ही फिल्माया गया था, जिसने रातों-रात उन्हें चर्चित कर दिया। कहा जाता है कि जब ये ग़ज़ल रिकॉर्ड की जा रही थी, उस समय भी सबकी आंखों में आंसू थे। क्योंकि, ग़ज़ल के लिए जिस मखमली आवाज़ की जरूरत होती है वो पंकज उधास के पास थी। शुरू में पंकज का मकसद गायन में कैरियर बनाना नहीं था। ये 1962 की बात है, जब भारत-चीन युद्ध चल रहा था। उस समय पंकज उधास ने अपनी पहली स्टेज परफॉर्मेंस दी। उन्होंने गाया 'ऐ मेरे वतन के लोगो।' उनके गीत से लोगों की आंखें नम हो गईं। दर्शकों में से एक आदमी ने इनाम में उन्हें 51 रुपये दिए।

पंकज को संगीत विरासत में मिला था। गुजरात के जैतपुर में जन्मे पंकज का परिवार राजकोट के पास चरखाड़ी कस्बे का रहने वाला था। दादा जमींदार और भावनगर के दीवान थे। पिता केशुभाई सरकारी कर्मचारी थे। पिता को इसराज नाम का एक वाद्य यंत्र बजाने में महारत थी और मां जीतूबेन को गाने का शौक था। इसके चलते पंकज उधास और उनके दोनों भाइयों में संगीत का बीज पल्लवित हुआ। उनके दोनों भाई मनहर उधास और निर्जल उधास संगीत की दुनिया में जाना-पहचाना नाम थे। स्कूल में पंकज के अच्छे गायन के बाद उनके परिवार को लगा कि पंकज भी संगीत में कुछ बेहतर कर सकते हैं। उनका एडमिशन राजकोट की संगीत एकेडमी में करा दिया गया। उन्हें भी मंच पर गाने के मौके मिलने लगे। लेकिन, पंकज का सपना तो फ़िल्मी दुनिया में अपनी जगह बनाना था। इसके लिए उन्होंने चार साल तक संघर्ष किया। पर, कोई ऐसा काम नहीं मिला जिससे उनकी पहचान बन सके। एक फिल्म 'कामना' जरूर मिली, जिसका एक गाना गाया भी, पर न तो फिल्म चली, न उनका गाया गाना। पहले ही मौके ने उन्हें इतना निराश किया कि उन्होंने देश छोड़कर विदेश में बसने का फैसला कर लिया, पर उनको प्रसिद्धि मिली थोड़ी देर से।

उनका यूं दुनिया से चले जाना, हर किसी के लिए किसी सदमे से कम नहीं है। गीतकार मनोज मुंतशिर ने अपना शोक व्यक्त करते हुए कहा कि आपके तीन कैसेट्स ने मुझे पहली बार ये बताया था कि ग़ज़ल क्या होती है। मेरे जैसे हज़ारों को कविता और शायरी की तमीज सिखाने वाले पंकज उधास जी, इतनी जल्दी आपका जाना बनता नहीं था! अभी तो बहुत कुछ सीखना था आपसे! जाने-माने गायक अदनान सामी ने दुख जताते हुए लिखा 'आज मेरे पास शब्द नहीं हैं। मैं

बस इतना कह सकता हूं कि अलविदा प्रिय पंकज जी 3मेरी बचपन की यादों का हिस्सा बनने के लिए आपने जो संगीत दिया उसके लिए धन्यवाद। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। 3उनका म्यूजिक हमेशा जिंदा रहेगा। ये किस्सा भी मशहूर है कि राजेंद्र कुमार ने एक दिन राज कपूर को डिनर पर बुलाया। डिनर के बाद उन्होंने पंकज उधास की गाई 'चिट्ठी आई है' ग़ज़ल राज कपूर को सुनाई, तो वे रो पड़े। उन्होंने कहा कि इस ग़ज़ल को पंकज से बेहतर कोई दूसरा नहीं गा सकता।

पंकज उधास ने बहुत-सी ग़ज़लों को अपनी आवाज दी, लेकिन उनकी कुछ ग़ज़लें ऐसी हैं जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। फिल्म 'नाम' की 'चिट्ठी आई है' वो ग़ज़ल है, जिसने हर उस दिल को झनझना दिया था जो अपने घर से दूर थे। अपने घर से दूर होने का दर्द इस ग़ज़ल में जिस तरह छलकता है, उसका कोई सानी नहीं। 'चांदी जैसा रंग है तेरा सोने जैसे बाल' भी उनकी सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली ग़ज़लों में शामिल है। ये ग़ज़ल अपनी प्रेयसी की तारीफ का चरम है। इसके खूबसूरत अल्फाज़ अपनी जगह, पर पंकज उधास ने जिस तरह डूबकर 'चांदी जैसा रंग' गाया है वो कभी भूला नहीं। 'जिएं तो जिएं कैसे बिन आपके' एक सवाल है जिसका जवाब भी इसी ग़ज़ल में मिलता है। उनकी एक और ग़ज़ल है 'ए गमे जिंदगी कुछ तो दे मशवरा एक तरफ उसका घर एक तरफ मयकदा' ऐसा सवाल है जिसके घर के एक तरफ घर है और दूसरी तरफ मयकदा। '3और आहिस्ता कीजिए बातें' ग़ज़ल में मोहब्बत टपकती-सी लगती है। इसमें कहा है दो दिल मिले और गुफ्तगू का सिलसिला छिड़ा हो, तो बातें आहिस्ता करना जरूरी है। ऐसा क्यों इसका जवाब पंकज उधास की आवाज से सजी ग़ज़ल देती है।

पंकज उधास ने समाज की धारा से अलग बहकर फरीदा से शादी की थी। फरीदा एयर होस्टेस थीं। एक शादी में दोनों की मुलाकात हुई थी। पंकज को पहली नज़र में ही फरीदा पसंद आ गई। पहले दोस्ती हुई, फिर प्यार। लेकिन, फरीदा के परिवार को भी रिश्ता मंजूर नहीं था। वे दूसरे धर्म में लड़की की शादी नहीं कराना चाहते थे। पंकज उनके घर गए और खुद ही उनके पिता से अपने रिश्ते की बात की। उधास ने अपनी बातों से उनका दिल जीत लिया तो वे दोनों की शादी के लिए मान गए। उनकी आवाज में हर दिल को जीतने का अंदाज था। इसीलिए उनकी आवाज़ ने संगीत की हर शमा को रोशन किया। कहा जाता है कि जो आवाज हर टूटे दिल और तन्हा दिल को सुकून दे, वही ग़ज़ल है। लेकिन, दिल को छू लेने वाली वह रूहानी आवाज हमेशा के लिए रुखसत हो गई। पंकज उधास अब इस नश्वर दुनिया को छोड़कर चले गए। किंतु, जब भी शायरी, ग़ज़लों की महफिल सजेगी उनकी आवाज़ की कमी को हमेशा महसूस किया जाएगा।

लेखक :- हेमंत पाल

अयोध्या में राम भव्य मंदिर में, यहाँ के राम अतिक्रमण के साये में

रहवासियों ने फिर सौपा एसडीएम को आवेदन, अपनी ही जमीनों को सुरक्षित नही रख पा रहा प्रशासन

माही की गूंज, पेटलावद।

विकास खण्ड के अधिकारी ऐसी कुम्भकरणी नींद में सोए है कि, शासन-प्रशासन की जमीनों को भी सुरक्षित नही रख पा रहा है। ग्राम बामनिया में सरकारी जमीनों को अब तक प्रशासन मुक्त नही करवा पाया है। वही बुलन्द हौसलों के साथ पेटलावद नगर में निजी और सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण करने वालों की बाढ़ सी लगी हुई है। अतिक्रमण कर्ताओ के हौसले इतने बुलंद है कि, अब मंदिरों की सरकारी जमीनों पर भी अतिक्रमण करने से बाज नहीं आ रहे हैं और अतिक्रमण के खिलाफ बोलने वालों से ही विवाद कर रहे हैं।

अतिक्रमण के साये में राम

गत माह ही अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर का उदघाटन हुआ जिसका माहौल पूरे देश मे रहा और पुरे उत्साह के साथ नगर के राम मन्दिर से भी कई यात्राएं निकली तथा भव्य आयोजन हुए। लेकिन नगर के राम अतिक्रमण के साये में है। मन्दिर का जिर्णोधार तो ठीक प्रशासन यहां से अतिक्रमण तक नही हटा पा रहा है। मामला पेटलावद के वार्ड 13 राम मोहल्ले का सामने आया है। जो मंदिर कलेक्टर व्यवस्थापक झाबुआ के अधिन अति प्राचीन श्री राम मंदिर है। इस राम मंदिर की शासकीय भूमि भी है जो मंदिर से लगी हुई भी है। इस भूमि पर कुछ बाहुबली लोगों के द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण कर मकान बना लिया गया है एवं कब्जा करने का प्रयास किया गया। इसके संबंध में पूर्व में भी मन्दिर भक्तों के द्वारा एसडीएम और कलेक्टर को सूचना व शिकायत भी की गई थी। इसी मंदिर से लगे हुए शीतला माता मंदिर पर आने-जाने के मार्ग पर वार्ड के ही कुछ लोगों के द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण कर आने-जाने का मार्ग तक बंद कर दिया गया। जब वार्ड के लोगो को इस अतिक्रमण को हटाने के लिए संबंधित अतिक्रमणकर्ता परिवार को समझाने के लिये गए तो उल्टा उन लोगों के द्वारा सभी लोगों से विवाद किया गया।

पूर्व मे दे चुके है आवेदन

इस बात को लेकर वार्डवासियों और राम भक्तों तथा शीतला माता मंदिर में जाने वाले भक्तों के द्वारा लगभग 15 दिवस पूर्व तहसीलदार हुकुम सिंह निगवाल को ज्ञापन सौंपा था। ज्ञापन सोपाने के बाद भी आज तक अतिक्रमण नहीं हटा ओर नहीं मन्दिर पर जाने के मार्ग को खोला गया। उलटा अतिक्रमण करने वाले वार्ड वासियों ओर मन्दिर पर जाने वालों से विवाद कर रहे है।

इस बार एसडीएम को सोपा ज्ञापन

इस बात को लेकर पुनः वार्ड वासियों ने सरकारी जमीन एवं मंदिर की जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराकर शीतला माता मंदिर पर जाने वाले मार्ग को खोलने की मांग करते हुए अतिक्रमण कर्ताओं पर सख्त कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग के साथ आवेदन एसडीएम अनिल कुमार राठौर को सोपा तथा भविष्य में बड़े विवाद हो जाने की शंका जताते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। वार्ड वासियों में 15 दिन के बाद भी कार्रवाई नही होने से आक्रोश है और सभी ने एक स्वर में कार्रवाई नही होने पर धरना प्रदर्शन और आंदोलन करने की तेयारी कर रहे।

जिले के एक मात्र शबरी माता मन्दिर शिवकुण्ड में दो दिनी आयोजन में होगी माँ की आराधना

माही की गूंज ,पेटलावद।

क्षेत्र के प्रसिद्ध शिवकुण्ड शबरी धाम पर शबरी जयंती पर दो दिवसीय आयोजन 2 व 3 मार्च को होगा। मम ग्रामः मम तीर्थम विकास समिति के बैनर तले आयोजित होने वाले इस समारोह में अंचल के सैकड़ो श्रद्धालु शामिल होकर माँ शबरी की आराधना करेंगे।

यह जानकारी देते हुए तीर्थ से जुड़े हुए संस्कृत प्रचारक मोहन डामर ने बताया कि, गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी चले राम शबरी धाम उत्सव मना रहे हैं। दो दिनी इस उत्सव में 2 मार्च को प्रातः 11 बजे संत सम्मेलन होगा। जिसमे अंचल सहित दूर दराज से भी सभी संतश्री शिरकत करेंगे। मुख्य रूप से स्वामी एश्वर्यानन्द जी सरस्वती आशीर्वचन प्रदान करेंगे। दोपहर में तीर्थ से जुड़े श्रम साधकों के लिए भण्डारे का आयोजन तीर्थ से जुड़े ऋषिकेश के योगाचार्य अरुण शर्मा के मार्गदर्शन में होगा।वही रात्रि में जागरण एवं भजन के साथ सभी साधक इस पवित्र धाम में आराधना करेंगे। 3 मार्च रविवार को 'चले राम शबरी धाम कार्यक्रम ' के जरिए श्रद्धालु इस धाम पर दर्शन पूजन करेंगे।

पवित्र एवं रमणीय स्थल है शिवकुण्ड

पहाड़ियों एवं छोटी नदियों के बीच शिवकुण्ड की छटा यहा आने वाले श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है। एक ओर जहां प्राचीन कुंड में स्नान का महत्त्व है, तो दूसरी और यहा विराजित महादेव भी मनोकामनाएं पूर्ण करने वाले हैं। इसी कारण यहा वर्ष भर श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है। झाबूआ जिले का एक मात्र शबरी माता का मन्दिर भी यहा ऊंची टेकरी पर है जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण शीश नवाने पहुँचते है।

नव-निर्मित कक्षों का वर्चुअली होगा लोकार्पण

माही की गूंज, थांदला।

स्थानीय शासकीय महाविद्यालय थांदला में म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग की प्रशासकीय स्वीकृति के आधार पर गृह निर्माण ऐजेन्सी म.प्र. शासन भोपाल के द्वारा 353.09 लाख रू. की लागत से 6 नवीन कक्षों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसका वर्चुअली लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लाल परेड़ ग्राउन्ड भोपाल से किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम का सीधा प्रसारण 29 फरवरी को शाम 4 बजे नई मंडी प्रागण थांदला में किया जा रहा है। जिसमें महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति अध्यक्ष अमित शाहजी एवं प्राचार्य डॉ. जीसी मेहता ने अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहेने की अपील की है।

बता दे कि, उक्त निर्माण कार्य का भूमि पूजन 8 मार्च 2022 को किया गया था। इन नवीन कक्षों के निर्माण से शासकीय महाविद्यालय थांदला के विद्यार्थियों को अध्यापन कक्षों की समस्या का निराकरण हो गया है।

पीएम किसान का आयोजन किसानों ने देखा लाइव

माही की गूंज, करवड़। अरुण पाटीदार

पेटलावद विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत करवड़ में पंचायत भवन में किसानों ने प्रधानमंत्री का लाइव प्रोग्राम देखा और सुना। कार्यक्रम को सुनने महिलाओं एवं पुरुषों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम को सुनने के लिए हल्का पटवारी संदीप निगवाल, कोटवार जगदीश डाबी, सचिन गामड़, सूरसिंह सोलंकी, शुभम पाटीदार, रवि सोलंकी एवं आसपास के ग्रामीण के साथ पंचायत स्टाफ उपस्थित रहे।

खाटू श्याम भजन संध्या का हुआ आयोजन

माही की गूंज, कुंदनपुर।

ग्राम कुंदनपुर मे श्री खाटू श्याम बाबा प्रेमी परिवार श्री श्याम शलोने परिवार की ओर से स्व. नरेंद्र नायक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में पुलिस चोकी के सामने खाटू श्याम भजन कीर्तन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमे लोकगीत व भजन गायक शशांक तिवारी (कुंदनपुर), भजन गायक प्रदीप कुमावत (खुटपला), भजन गायक जीवन पटेल (बोला), भजन गायिका कृतिका मालवीय (इटारसी), भजन गायिक सोनम शर्मा (राणापुर) ने बाबा श्याम के भजन कीर्तन सुनाकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। उक्त आयोजन मध्यरात्रि 2 बजे तक चलता रहा। जिसके बाद बाबा की भव्य ज्योत श्रद्धालुओं द्वारा प्रज्जवलित की गई और बाबा को 56 भोग व चूरमे का भोग लगाकर आरती के पश्चात प्रसादी ग्रहण की।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर जिला अस्पताल तक सफाई और सुरक्षा पर फोकस

भोपाल। भोपाल जिला अस्पताल से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) तक सफाई और सुरक्षाकर्मियों की संख्या बढ़ेगी। वर्तमान स्वीकृत कर्मचारियों की तुलना में लगभग हर स्तर पर 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाएगी। इस संबंध में जल्द ही कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जाएगा। सफाई के लिए मापदंड भी नए सिरे से निर्धारित किए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि, पहली बार ऐसा किया जा रहा है कि अस्पताल में बिस्तरों के अतिरिक्त आइसीयू, आपरेशन थियेटर, लेबर रूम आदि के मान से भी किसी अस्पताल में सफाई और सुरक्षाकर्मियों की संख्या निर्धारित होगी। सफाई बेहतर होने से संक्रमण की रोकथाम में भी मदद मिलेगी। साथ ही कायाकल्प और नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड पर भी अधिक अस्पताल खरे हो सकेंगे।

मध्य प्रदेश वित्त विभाग ने वर्ष 2016 में हर स्तर के अस्पतालों के लिए सफाई और सुरक्षाकर्मियों के पद स्वीकृत किए थे, इसके बाद से इसमें बढ़ोतरी नहीं की गई, जबकि अस्पतालों में ओपीडी और भर्ती रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। कई बार मंत्री या अधिकारियों के दौरों में सफाई को लेकर प्रश्न भी उठते हैं, पर सच्चाई यह है कि तीनों पाली में मिलाकर जितने सफाई कर्मचारी और सुपरवाइजर होने चाहिए उतने नहीं हैं।

जापानी बुखारः 1 से 15 वर्ष तक के 37 लाख बच्चों को फ्री में लगेगी वैक्सीन

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल, इंदौर सहित आसपास के जिलों में जापानी बुखार का टीकाकरण अभियान शुरू हो गया है। जिसके तहत फ्री में 1 से 15 वर्ष के बच्चों को टीका लगाया जाएगा। इस वैक्सीन के लगाने से बच्चों को कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होगा। सिर्फ किसी किसी बच्चे को रेडनेस की समस्या हो सकती है। लेकिन इस टीके के लगने के बाद जापानी बुखार की समस्या नहीं होगी।

जापानी बुखार से बचाने के लिए प्रदेश के चिन्हित जिलों में वैक्सीनेशन अभियान की शुरुआत हो चुकी है। ये टीका राजधानी भोपाल के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में फ्री में लगाया जाएगा। 348 सेंटरों पर ये टीका मंगलवार से शुक्रवार तक लगाया जाएगा। वहीं 20 सेंटरों पर ये टीका हर दिन लगाया जाएगा।

इस अभियान के तहत भोपाल में एक वर्ष से लेकर 15 वर्ष तक के 9 लाख बच्चों को वैक्सीन लगाई जाएगी। वहीं भोपाल, नर्मदापुरम, इंदौर और सागर जिले में मिलाकर कुल 37 लाख बच्चों को ये वैक्सीन लगाने का टारगेट है।

अक्सर कोई भी टीका लगाने पर किसी को बुखार आती है। तो किसी का हाथ सूज जाता है। लेकिन इस टीके को लगाने से शरीर या सेहत में किसी प्रकार का बदलाव नहीं होगा। हालांकि किसी किसी बच्चे को रेडनेस की समस्या हो सकती है। अच्छी बात यह है कि ये वैक्सीन लगाने के बाद किसी प्रकार की कोई दवाई भी नहीं लेनी है।

15 मार्च से माही नहरों से पानी का सप्लाय होगा बन्द

माही की गूंज ,बरवेट।

जिले की जीवनदायनी माही परियोजना की नहरो से रबी फसलो कि सिचाई अंतिम का दौर में चल रहा है। माही डेम से नहरो में पिछले चार माह से पानी का सप्लाय किया जा रहा है। नहरों में पानी की आपूर्ति 15 मार्च से बन्द की जाएगी। रबी फसलों के लिए विगत 15 नवम्बर से पानी की आपूर्ति प्रारंभ की गई थी। माही डेम से नहरों के माध्यम से कमांड एरिया की सिचाई होती है।

इस बार रबी फसल के लिए माही डेम से मांग के अनुसार नहरो में पानी की आपूर्ति की गई। विभागीय आदेशानुसार जारी कलेंडर में रबी फसलों के लिए चार बार पानी देने का प्रावधान किया गया था। जो की 15 नवम्बर से 15 मार्च तक चार माह पानी दिया गया। नहर कमांड क्षेत्र में अंतिम छोर तक लगातार जलापूर्ति की गई। रबी फसल पककर निकलना प्रारम्भ हो गई है।

माही परियोजना के एई धीरज जादौन ने बताया कि, माही परियोजना की दोनो माही नहरो से लगभग 28 हजार हेक्टेयर रकबे में रबी फसलों की सिचाई होती है। पिछले चार माह से पानी सप्लाय किया जा रहा था। 15 मार्च से नहरो में पानी सप्लाई बंद किया जाएगा।

नलकूप खनन प्रतिबंधित लेकिन भूजल स्तर बढ़ाने पर नही दिया जा रहा ध्यान

विकास खण्ड में बने ज्यादातर स्टॉपडेम पर गेट तक नहीं लगे, व्यर्थ बह रहा पानी

नदी पर बने स्टापडेम पर गेट अभी तक नही लगे।

माही की गूंज , पेटलावद।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री तन्वी हुड्डा ने आदेश जारी कर जिले में भूमिगत जलस्तर में लगातार कमी होने एवं आगामी ग्रीष्म ऋतु में और अधिक पेयजल की कमी व लोकहित को दृष्टिगत रखते हुए म.प्र. पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 3 के तहत संपूर्ण झाबुआ जिले को जल अभाव ग्रस्त घोषित किया गया है। इस अधिनियम की धारा-6 के अंतर्गत नलकूप खनन को प्रतिबंधित किया गया है। यह आदेश 30 जून 2024 तक अथवा वर्षा में विलंब हुआ तो वर्षा प्रारंभ होने तक लागू रहने का आदेश जारी किया गया। गिरते भूमिगत जल स्तर को देखते हुए जिला कलेक्टर द्वारा ये निर्णय लिया गया है जो भविष्य की दृष्टि से उचित है। लेकिन भूमिगत जल का संरक्षण कर जल स्तर बढाने की जिम्मेदारी भी प्रशासन पर थी जिसकी भारी अनदेखी की गई।

विकास खण्ड के अधिकांश डेम पर गेट बंद नही हुए तो कई जगहों से गेट गायब

जल स्तर बढाने के लिए कई नदियो पर स्टॉप डेम बनाये गए है लेकिन लापरवाही के चलते इस स्टापडेमो के गेट समय पर नही लगाए गए। जिसके चलते कई स्टापडेम पर पानी नही रुका तो कई जगह अभी भी पानी व्यर्थ बह रहा है। नदी जोड़ो अभियान के तहत 50 सो स्टापडेम विकास खण्ड में अलग-अलग पंचायतों में बनाये गए थे। जिनमें से ज्यादातर में निर्माण अवधि के एक वर्ष से अधिक हो जाने के बाद भी गेट तक नही लगाए जा सके तो जिन स्टापडेमो में गेट लगे थे उनको समय पर बन्द नही किये जाने के कारण वहां जल भराव नही हो पाया । नदी जोड़ो अभियान के तहत बने स्टापडेमो का भुगतान भी हो चुका है जिंसमे लोहे के गेट के बिल भी लगे हुए है। लेकिन मौके पर आज भी स्टापडेम पर कोई गेट, एजेंसी द्वारा नही लगाये गए। जिससे शासन की पानी को रोक कर भूमि जल स्तर बढ़ाने की योजना पर पानी फिरता दिख रहा है।

नदी जोड़ो अभियान में बने स्टापडेम आज भी बनने के बाद से ऐसे ही गेट विहीन पड़े है।

जनपद सीईओ राजेश दीक्षित से जब इस संबंध में बात की तो उनका कहना है कि, कई स्टापडेमो पर गेट नही होने की जानकारी मिली थी जिसके बाद ग्राम पंचायतों को निर्देशित किया गया था, कई जगह गेट लग चुके है और जहां नही लगे है उनको दिखवा कर गेट लगाने के निर्देश जारी जल्द ही करवा दिए जाएंगे।

संपादकीय

योजनाओं का शिलान्यास घोषणाएं और उद्घाटन

देश का राजनीतिक परिदृश्य आम चुनाव के रंग में रंगता नजर आ रहा है। लगातार नई योजनाओं के शिलान्यास, घोषणाएं और उद्घाटन उसकी बानगी है। नि:संदेह, विकास में तेजी देश की जरूरतों और रोजगार के लिए अपरिहार्य है। सोमवार को प्रधानमंत्री द्वारा दो हजार रेलवे ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास सुखद ही कहा जाना चाहिए। उन्होंने देश में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए इकतालीस हजार करोड़ रुपए से अधिक की करीब दो हजार परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसमें 'प्रधानमंत्री अमृत भारत स्टेशन योजना' के अंतर्गत 553 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का शिलान्यास भी शामिल था। देश के 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के इन स्टेशनों पर करीब उन्नीस हजार करोड़ रुपए की लागत से पुनर्विकास किया जाना है। नि:संदेह, देश की बढ़ती आबादी की जरूरतों तथा स्टेशनों के आधुनिकीकरण की आवश्यकता के चलते यह आवश्यक हो गया है कि रेलवे स्टेशनों को सुविधाजनक बनाया जाए। इसमे दो राय नहीं कि रेल विभाग की खस्ता हालत के लिए सस्ती राजनीति भी जिम्मेदार रही है, जिसकी तरफ प्रधानमंत्री ने इशारा भी किया है। विगत में देखा गया कि गठबंधन सरकारों के दौर में रेल मंत्री का पद हासिल करने के लिए दबाव की राजनीति की जाती थी। जिसका मकसद नेताओं का अपने संसदीय क्षेत्र की जनता के लिए विशेष ट्रेन चलाना और अपने इलाके के अपने समर्थक बेरोजगारों को नियम-कानून ताक पर रखकर रेलवे में भर्ती करना होता था। यह एक हकीकत है कि दुनिया के सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क्स में शुमार होने के बावजूद न तो रेल सेवा की गुणवत्ता बन पायी और न ही आर्थिक रूप से रेलवे मजबूत बन पाया। नि:संदेह, आम लोगों की सुविधा के मद्देनजर रेल के किराये काफी कम हैं। जब भी गुणवत्ता को बनाए रखने के मकसद से रेल के किराए में वृद्धि का प्रस्ताव आता था तो राजनेताओं द्वारा उसे चुनावी मुद्दा बना लिया जाता था। नि:संदेह, गुणवत्ता की रेल सेवा बनाने के लिये यात्रियों के योगदान की भी जरूरत है।

बहरहाल, इसके बावजूद आज देश में सामान्य रेल यात्रा को पूरी तरह सुविधाजनक व सुरक्षित नहीं कहा जा सकता है। आए दिन रेल दुर्घटनाएं और मानवीय चूक की खबरें सामने आती रहती हैं। हाल ही में खबर आई थी कि गत पच्चीस फरवरी को जम्मू के कठुआ रेलवे स्टेशन पर एक मालगाड़ी बिना ड्राइवर के चल पड़ी थी। यह ट्रेन बिना ड्राइवर व गार्ड के साठ किलोमीटर की रफ्तार से चल पड़ी थी। इसे तब रोका जा सका जब यह करीब डेढ़ घंटे का सफर तय करके एक छोटे स्टेशन पर पहुंच चुकी थी। गनीमत यह रही कि इसके रास्ते में कोई दूसरी ट्रेन नहीं आई और एक बड़ा हादसा टल गया। बताते हैं कि कठुआ स्टेशन पर ड्राइवर व गार्ड को बदला जाना था, लेकिन ड्यूटी खत्म कर रहा ड्राइवर मालगाड़ी में हैंड ब्रेक लगाना भूल गया। यद्यपि इस आपराधिक लापरवाही के चलते स्टेशन मास्टर समेत छह अधिकारियों व कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि भविष्य में ऐसी कोताही न बरती जाए। नि:संदेह, यह घटना बताती है कि रेलवे की कार्यशैली में बदलाव की आवश्यकता है वहीं चालक और स्टाफ को अधिक सतर्क व जवाबदेह बनाने की जरूरत है। नि:संदेह, रेलवे के ढांचे का विस्तार व आधुनिकीकरण समय की मांग है, लेकिन पहले पुराने रेलवे के ढांचे को सुरक्षित व फुलप्रूफ बनाने की जरूरत है। वहीं रेलवे की पटरियों के रखरखाव के साथ ही रेलवे स्टाफ को इसके परिचालन में अतिरिक्त सावधानी की दरकार है। नि:संदेह, रेल परिचालन में एक छोटी चूक सैकड़ों लोगों के जीवन पर संकट उत्पन्न कर सकती है। इसके साथ ही आवश्यक है कि सर्दी के मौसम में कोहरे की वजह से बाधित होने वाले रेलवे यातायात को सुचारु रूप से चलाने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाए। तब सर्दी के मौसम की चरम अवस्था में रेल सेवाओं में विलंब और ट्रेन कैंसिल होने की स्थिति को टाला जा सकेगा। देश की दीर्घकालीन जरूरतों और बढ़ती आबादी की आवश्यकताओं के अनुरूप रेलवे के ढांचे में व्यापक परिवर्तनों की जरूरत है।

किसानी आय बढ़ने से दौड़ेगा विकास का पहियां

देविंदर शर्मा

लेखक कृषि मामलों के जानकार है

ऐसे समय में जब एक गलत सूचना अभियान अपने चरम पर है, मुझे सूझ नहीं रहा कि शुरुआत कहां से करूं। न केवल मुख्यधारा के मीडिया में, बल्कि सोशल मीडिया भी प्रदर्शनकारी किसानों के खिलाफ अभद्र शब्दावली, बदनामी और अपमान से भरा हुआ है।

ऐसा लग रहा है मानो किसान अचानक विलेन बन गया हो। एक बार देश के नायक के रूप में सम्मानित फिल्म शीर्षक का इस्तेमाल करें तो हीरो नंबर-1 अब उनके साथ बर्ताव किया जाता है और किसानों के खिलाफ छिपी अवमानना अब खुलेआम है। इसका अधिकांश कारण गलत सूचना अभियान है जिसे मीडिया प्रचारित करता रहता है। यदि मैं गलत नहीं हूं, तो पत्रकार मुझे बताते हैं कि यह बदनामी अभियान काफी हद तक अहस्ताक्षरित नोटों पर आधारित है जो मीडिया व्हाट्सएप समूहों में प्रसारित होते हैं।

मुख्यधारा के मीडिया के बारे में बात करते हुए, हाल ही में मेरा सामना एक पैनलिस्ट से हुआ जो उस समिति का हिस्सा है जिसे एमएसपी को और अधिक प्रभावी बनाने के तरीके पर विचार करने के लिए गठित किया गया है। हम एक टीवी शो में एमएसपी को कानूनी अधिकार बनाने की किसानों की मांग की प्रासंगिकता पर चर्चा कर रहे थे। जिस बात ने मुझे चौंका दिया वह थी अशिष्टता जिसके साथ उन्होंने जवाब दिया, इतना कि उन्होंने किसानों को 'राष्ट्र-विरोधी' कहना शुरू कर दिया। यह जानते हुए भी कि उनकी स्थिति घोर किसान विरोधी है, मुझे नहीं पता कि ऐसे लोगों को एमएसपी समिति में क्यों नामांकित किया जाता है। अन्य सदस्यों पर कोई आक्षेप न लगाते हुए, मेरा मानना है कि ऐसी अहम समितियों की संरचना का निर्णय करते समय, नीति निर्माताओं को सावधानीपूर्वक उन सदस्यों को चुनना चाहिए जो अंतर्निहित पूर्वाग्रह नहीं रखते हैं।

मुझसे अक्सर मीडिया साक्षात्कारों और चर्चाओं में उठाए जाने वाले सवालों का जवाब देने के लिए कहा गया है। उदाहरण के लिए, जब मुझसे पूछा गया कि एक टीवी एंकर कह रहा है कि अगर किसानों को एमएसपी का कानूनी अधिकार दे दिया जाए तो खाद्य मुद्रास्फीति 25 फीसदी बढ़ जाएगी, तो मेरा जवाब था कि हमें इस 'प्रबुद्ध' पत्रकार का आभारी होना चाहिए कि उन्होंने इससे मुद्रास्फीति में 150 फीसदी तक बढ़ोतरी हो जाने की बात नहीं कही। वे यह जानते हुए ही ऐसा कह सकते थे कि वह जो भी कहेंगे उस पर कोई सवाल नहीं उठेगा। एक अन्य सवाल पर कि किसानों के लिए कानूनी एमएसपी पर 10 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा, जिसे देश वहन नहीं कर सकता, मेरा जवाब था कि पहले इसका स्रोत बताएं, और दूसरा कि किसानों के लिए एमएसपी बढ़ाने से भय क्यों है।

अभी तक, जिन 23 फसलों पर एमएसपी घोषित किया गया है, प्रभावी रूप से तो उनमें से गेहूं व धान के लिए ही इस्तेमाल किया गया है। कुछ हद तक एमएसपी कपास व दालों के लिए भी लागू हुआ, और वह भी कुछ ही राज्यों में। हाल ही में संसद को सूचित किया गया कि देश में 14 फीसदी किसानों को एमएसपी मिलता है जिसका अभिप्राय है कि 86 फीसदी किसान बाजारों पर निर्भर हैं। यदि बाजार इतने उदार या दयालु होते तो किसान आंदोलन क्यों करते? यह जानते हुए भी कि उन्हें पुलिस के दमन का सामना करना पड़ेगा। किसान किसी मनोरंजन के लिए आंदोलन नहीं कर रहे और विरोध प्रदर्शनों से कोई परपीड़ा का सुख भी नहीं ले रहे। वास्तव में, यह समय है उनकी तर्कसंगत मांगों को हल करने के प्रयास हों।

समाज के पिरामिड के निचले तल पर किसान किसी तरह गुजारा कर रहे हैं। इसकी व्याख्या के लिए, मैं कृषि परिवारों के लिए नवीनतम स्थितिजन्य आकलन सर्वेक्षण के निष्कर्षों को दोहराना चाहूंगा। हालिया रिपोर्ट बताती है कि किसान परिवारों की औसत आय 10,218 रुपये है। यदि हम गैर-कृषि गतिविधियों से होने वाली आय को शामिल न करें, तो किसान प्रति दिन औसतन 27 रुपये कमाते हैं। खेती से इतनी कम आय कृषि क्षेत्र में व्याप्त गरीबी के स्तर का संकेत है। और किसी भी स्थिति में, प्रधानमंत्री के सबका साथ सबका विकास के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए, कृषक समुदाय को आर्थिक रूप से उभारना आवश्यक है। आख़रिकार, 50 प्रतिशत के करीब आबादी दृ लगभग 700 मिलियन दृ कृषि पर निर्भर है और नीति नियंताओं को यह समझने की ज़रूरत है कि 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते हुए विकास पथ पर चलते हुए, बहुसंख्यक आबादी को पीछे नहीं छोड़ा जा सकता है।

मूल रूप से किसान जो मांग रहे हैं वह है एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी प्रदान करना, और इसे स्वामीनाथन की सिफारिशों के तहत सी250 फॉर्मूले के साथ जोड़ना। यह किसानों के साथ आर्थिक न्याय को यकीनी बनाएगा, और परेशानियों से जूझ रहे कृषक समुदाय के लिए उजाले की किरण प्रदान करेगा। किसानों को उच्चतर और यकीनी आय प्रदान करना देश पर भार नहीं, उच्च आर्थिक विकास की दिशा में कदम होगा।

देश में 86 प्रतिशत किसान ऐसे हैं जिन्हें एमएसपी नहीं मिलता है, उन्हें निश्चित रूप से लाभ होगा। किसानों के हाथ में अधिक पैसा होने का मतलब है कि उनके पास बाज़ार में खर्च करने के लिए अधिक पैसा होगा। जो मांग पैदा होगी वह बहुत विशाल होगी, जिससे विकास का पहिया और तेजी से दौड़ेगा। इससे और उच्च आर्थिक संवृद्धि हांसिल होगी। सातवां वेतन आयोग, जिससे जिससे लगभग 4 से 5 प्रतिशत आबादी को लाभ हुआ, इसे अर्थव्यवस्था के लिए बूस्टर डोज के रूप में देखा गया। कल्पना कीजिये, यदि 50 फीसदी आबादी ज्यादा खर्च करती है तो यह इकोनोमी के लिए रॉकेट खुराक सरीखी होगी।

एमएसपी को कानूनी दर्जा प्रदान करने में निहित विकास की संभावनाओं की सच्चाई जानने के बजाय, अर्थशास्त्री और मीडिया बाजार की तथाकथित कुशलता से चौंधिया गये हैं। यदि मार्केट्स इतनी ही कुशल होती तो मुझे कोई कारण नजर नहीं आता कि दुनियाभर में किसान गहरे संकट में क्यों हैं। उदाहरण के जरिये स्पष्ट करें तो अमेरिका के ग्रामीण क्षेत्र में आत्महत्या की दर राष्ट्रीय औसत से 3.5 गुणा ज्यादा है। यूरोप में जनवरी माह में 17 देशों में किसानों के प्रदर्शन हुए और ये प्रदर्शन स्पेन, पोलैंड और इटली में अभी भी जारी हैं। यूरोप में भी प्राथमिक मांग कृषि उपज के यकीनी दाम है। यह बिल्कुल वही है जिसकी भारत में प्रदर्शनकारी किसान मांग कर रहे हैं। यूरोप की तरह, भारतीय किसान सरकार द्वारा हरेक चीज खरीदने की मांग नहीं कर रहे हैं। वे एमएसपी के रूप में ऐसा बेंचमार्क चाहते हैं कि जिससे नीचे कोई खरीद-फरोख्त न हो।

कल्पनात्मक आंकड़ों को उछालने का मकसद सरकार को स्थापित करना है, का उद्देश्य केवल भय का मनोविकार पैदा करना है। ऐसा पहले भी हुआ था जब गरीबों के लिए सस्ता राशन देने का वादा करते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम लाया गया था। यह हाय-तौबा कि एमएसपी को वैध बनाने का कोई भी कदम बाजारों को विकृत कर देगा, अनिवार्य रूप से कॉर्पोरेट हितों की रक्षा के लिए है। आख़रिकार, कृषि उद्योग के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराती है। यदि कृषि कीमतें बढ़ती हैं, तो उद्योग को डर है कि उसका मुनाफा सिकुड़ जाएगा। महज कंपनियों के लिए उच्चतर लाभ-सीमा यकीनी बनाने के लिए, भारत अपने किसानों के बड़े हिस्से को लगातार गरीबी में नहीं रख सकता है। यह समय निर्णय लेने का है दृ क्या हम बाज़ार को बरकरार रखना चाहते हैं या किसानों को बिगड़ते जा रहे कृषि संकट से बाहर निकालना चाहते हैं।

नेताओं की कमाई और देशप्रेम का जज्बा

पाकिस्तान कमाल का मुल्क है। मुल्क तो खैर क्या है, कमाल ही है। पाकिस्तान की चिंता भारत को इसलिए करनी चाहिए कि पाकिस्तान भारत का बिलकुल पास का पड़ोसी है। वह अगर भिखारी है, आतंकी है, चोर है, तो भारत पर असर होता है।

पाकिस्तान के ड्रामे बहुत शानदार माने जाते हैं। कुछ पाकिस्तानी ड्रामे टीवी पर आते हैं, कुछ पाकिस्तानी ड्रामे राजनीति में चलते हैं। पाकिस्तान में इमरान जीत गये सच में, पर फौज ने हरा दिया इमरान को सचमुच में।

अब इमरान खान ने इंटरनेशनल मानीटरी फंड को खत लिख दिया कि हमारे मुल्क को और कर्ज न दिया जाये। यानी इमरान खान कह रहे हैं कि हमें भीख न दी जाये, जब तक मैं ही प्राइम मिनिस्टर न बन जाऊं। दरअसल, इमरान खान की एकमात्र डिमांड यही है कि मुझे पीएम बनाओ। अगर मैं पीएम नहीं, तो फिर मुल्क के होने या न होने का कोई मतलब नहीं है। यह अप्रोच कुछ इस तरह की है कि अगर प्रेमिका राजी न हो रही हो, किसी और से शादी कर रही हो प्रेमिका की, तो उसके चेहरे पर तेजाब डालकर उसे तबाह कर दो। यह प्रेम की तेजाबी एप्रोच है। इमरान खान अपने देश पाकिस्तान को इस तरह से प्रेम करते हैं।

नवाज शरीफ आमतौर पर लंदन रहते हैं, पर जब उन्हे पीएम बनने का सीन दिखाई पड़ता है, तो वह पाकिस्तान आ जाते हैं। ऐसे कई भारतीय हैं, जो अमेरिका जाकर देशप्रेमी हो जाते हैं। अमेरिका जाकर उन्हें याद आता है कि हाय उनका देश कितना महान है। और वो भारत के लिए आंसू बहाते हैं, पर एक भी रुपया भारत में लगाते नहीं हैं। पर ऐसे अमेरिकन देशभक्त भारत का ज्यादा कुछ न बिगाड़ पाते, पर पाकिस्तान के कई नेता पाकिस्तान जाकर पीएम हो जाते हैं, इसलिए पाकिस्तान का नुकसान बहुत ज्यादा हो जाता है। पाकिस्तान मजबूत देश है, ऐसे नेताओं, तमाम तरह के आतंकियों के बावजूद पाकिस्तान बचा हुआ है नक्शे पर। बस नक्शे पर ही बचा हुआ पाकिस्तान, यह पाकिस्तान बचा रह जाये, पाकिस्तान के नेताओं के बावजूद, पाकिस्तान की आर्मी के बावजूद, तो माना जाना चाहिए कि पाकिस्तान चोर-डाकू प्रूफ मुल्क है।

आलोक पुराणिक

चोर-डाकू पाकिस्तान टेंशन प्रूफ हैं, कोई टेंशन नहीं है। टेंशन में पाकिस्तान की पब्लिक रहती है, वह लंदन न जा सकती।

भारत में नेता एक कम से कम रहम करते हैं भारत पर कि वो भारत में ही रहते हैं। कमाते हैं तो खर्च भारत में ही करते हैं। बड़े बंगले बनाते हैं, तो इंडिया में ही खर्च करते हैं, बड़ी कारें खरीदते हैं, तो भी भारत में ही खरीदते हैं। भारत की इकोनोमी को ही फायदा होता है। भारतीय नेता कितने देशप्रेमी हैं, यह बात हम समझ सकते हैं पाकिस्तान के नेताओं की हरकतें देखकर।

शीर्ष अदालत के फैसले से रोशन लोकतंत्र

अदालतें न्याय देने के लिए बनी हैं। कई मर्तबा, वे इस ढंग से न्याय करती हैं कि आमतौर पर उनके साथ लगाया जाने वाला 'माननीय' शब्द सार्थक हो उठता है। इस बात पर लगभग सभी सहमत हैं कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव मामले में आए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से लोगों का विश्वास फिर से लौटा है। जिस ढंग से न्यायाधीशों ने इस प्रसंग में पड़ताल की और आदेश सुनाया, वह असाधारण और चौंकाने वाला था। चुनाव अधिकारी अनिल मसीह का अनुचित आचरण भी कम नाटकीय और वाहियात न था, और दुर्भाग्यवश खतरा यह है कि कहीं यह चलन आम न हो जाए।

जैसा कि ज्ञात है, यह प्रसंग मतपत्रों से छेड़छाड़ कर निरस्त करने का है। हालांकि, इस मामले के केंद्रबिंदु में कुछ लोगों के लिए यह नमोशी का बायस है तो बहुतों के लिए व्यवस्था पर से भरोसा उठना। अदालत ने एक ही झटके में लोगों का यकीन दुबारा कायम कर तो दिया है, लेकिन केवल न्यायपालिका पर। न्यायालय ने उनको भी आईना दिखाया है जो व्यवस्था में मनमर्जी चाहते हैं लेकिन अवश्य ही उनको नहीं, जो पर्दे के पीछे रहकर अपना चेहरा बचाने की फिराक में थे। इस बार मुख बेशक मसीह का है किंतु कभी यह हर्षद मेहता का तो कभी अब्दुल करीम तेलगी का रहा, जो कि दुनिया को दिखाता है कि हमारी व्यवस्था में सड़न कितनी गहरी है, और इसके लिए हमें उसका (मसीह का) धन्यवाद करना होगा। हालांकि, एक मसीह के बरअक्स बहुतों पर ध्यान नहीं गया, भले ही उन्होंने व्यवस्था को इतना नुकसान पहुंचाया जिसकी भरपाई संभव नहीं।

कुछ लोगों ने इस प्रसंग को 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन बनाम मतपत्र में कौन बेहतर' का पुट देने की कोशिश की है, यह कहते हुए कि ईवीएम होती तो मतपत्र की तरह गड़बड़ संभव न थी। लेकिन मतपत्र के मामले में, गड़बड़ी को पकड़ा तो जा सकता है जबकि जिन्हें ईवीएम पर शक है, उनके मुताबिक ईवीएम में हेराफेरी को पकड़ना मुश्किल है। इसका यह अर्थ नहीं कि हम पुनः मतपत्र वाले काल में लौट जाएं और ईवीएम के उपयोग से हासिल हुई दक्षता से खुद को महरूम करें। हालांकि इसका मतलब यह भी नहीं कि ईवीएम को लेकर जो शक-शुबहा हैं, उन्हें दूर न किया जाए। यह सार्वजनिक बहस का अलग से विषय है, जिसको लेकर मामला सर्वोच्च न्यायलय के सम्मुख भी है।

मसीह वाले प्रसंग में, सर्वोच्च न्यायालय ने रिवायती लंबी प्रक्रिया न अपनाकर त्वरित न्याय दिया है। खंडपीठ ने सबके सामने पड़ताल की और प्रस्तुत सबूतों के आधार पर अपेक्षाकृत सरल इस मामले में सत्य को छांट लिया। चुनाव दुबारा से करवाना न्यायोचित न होता, खासकर जब विवाद चुनाव अधिकारी द्वारा कुछ मतपत्रों को बिगाड़ने तक सीमित था और जिसके लिए अकाट्य प्रमाण उपलब्ध था। अदालत ने चुनाव अधिकारी द्वारा किए कृत्य को निरस्त करके और विवादित मतपत्रों को वैध ठहराते हुए, चुनाव परिणाम की घोषणा करवाकर सही किया है। ईवीएम से पूर्व काल में चुनाव अधिकारी गणना से पहले, मतपत्रों की वैधता तय करने में, इसी प्रकार अपनी चलाया करते थे। सर्वोच्च न्यायालय का फैसला क्रिकेट मैच में अपनाई डीआरए (डिसीजन रिव्यू सिस्टम) व्यवस्था सरीखा है, जिसमें तीसरा अम्पायर मैदान वाले अम्पायर के फैसले को उलट सकता है, बिना गेंद दुबारा डलवाए।

यह कहना कि मसीह तो एक आसान निशाना था, इसके बावजूद अदालत के जज़्बे की तारीफ बनती है न कि कम करके आंकना। मसीह का अनुचित व्यवहार ही उसको निशाने पर ले आया। जिस पर न्यायाधीश खफा हुए, साफ है उसने यह करके अपनी छवि खलनायक जैसी बना डाली। अदालती फैसले को अपरिहार्य दंडाधिकारी की तरह लिया जाए, जैसे कि कर्मफल का दंड देने वाली ग्रीक देवी नेमेसिस, जो नियम-स्थापित पवित्र प्रक्रिया को बिगाड़ने का प्रयास करने वालों का इंतजार करती है।

हालांकि गूढ़ प्रश्न है कि क्या मसीह ने यह सब अपने तौर पर किया होगा। क्या अन्य भी थे जिन्होंने उसे ऐसा करने को कहा और यकीन दिलवाया कि यदि कुछ समय के लिए अपनी अंतरात्मा को दबा दे तो बहुत बड़ा फल मिलेगा। और इस दुर्भाग्यपूर्ण मामले में यही बात गहन पड़ताल का आह्वान करती है। जिस ढंग से 'विजयी' घोषित किए मेयर ने कुर्सी संभाली, वह कठिनाई से पाई सफलता पर तात्क्षणिक खुशी के सदका न होकर उस साजिश का हिस्सा था, जिसकी पटकथा पहले लिखी जा चुकी थी और अगले दृश्य के अभिनय में केवल इशारे मिलने की देर थी। चुनाव अधिकारी तो केवल एक निमित्त मात्र था।

आदि से अंत तक, यह पूर्ण रूप से चालबाजी थी। पहले एक घटिया साजिश फिर उसका अनाड़ी क्रियान्वयन, तत्पश्चात तुरत-फुरत कब्जा करना। आगे, कुछ पार्षदों का पाला बदलना और मेयर का त्यागपत्र देना तेजी से बदलते परिदृश्य में एक चतुर किंतु अधकचरा जुगाड़ रहा। अवश्य इस सबके पीछे कोई 'मास्टरमाइंड' जरूर काम कर रहा था। परंतु अंततः न्यायालय ने हथौड़ा चलाकर इस नाटक का पटाक्षेप कर दिया।

नये मेयर को गद्दी से उतारने के लिए उसके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की संभावना बनी हुई है, यदि कानूनन इजाज़त हो। यह पैंतरा सफल हो भी सकता है, क्योंकि 'मंडी' में हरेक 'चीज़' की एक कीमत है। यह होने पर, लोकतंत्र का आगे चीरचरण होगा। कोई हैरानी नहीं इस अलोकतांत्रिक प्रयास से सत्ता हासिल करने पर सत्तारूढ़ दल की ओर से मुंह से एक शब्द तक न निकला। जो कुछ सर्वोच्च न्यायलय ने मसीह वाले मामले में किया है वह न्याय को तार्किक निर्णय तक पहुंचाने जैसा है। यह कुछ ऐसा है कि न्यायाधीशों ने दिन-दहाड़े डकैती होना पाया और एक लुटेरा पकड़ा गया, तब मजबूरन डकैतों ने लूटा माल लौटाना तय किया। यहां इस मामले में, छीना गया सबसे कीमती सरमाया यानी लोकतंत्र, जिसके लिए देश ने लंबी लड़ाई लड़ी है। सर्वोच्च अदालत द्वारा लोकतांत्रिक व्यवस्था को पुनः स्थापित करने के साथ, क्या भारत के लोग इसे सहेजकर रखने के लिए अपनी ओर से कुछ योगदान करेंगे? क्या यह सिद्धांत इलेक्ट्राल बॉन्ड्स पर भी लागू होगा, यक्ष प्रश्न है।

अशोक लवासा

लेखक भारत के पूर्व चुनाव आयुक्त है

बाइबल के पात्रों डेविड और गोलिएथ की तरह न तो यह लड़ाई पहली है न ही अंतिम। वहां तो डेविड ने कंकड़ एवं गुलेल और सहायक बने ईश्वर का साथ पाकर गोलिएथ को हरा दिया था। किंतु आज के प्रत्येक डेविड को यदि जीतने की आशा रखनी है, तो प्रतिबद्धतापूर्ण साहस और अदालतों के सतत और बिना शर्त साथ की जरूरत है। कोई हैरानी नहीं न्यायाधीश को माई लॉर्ड (मेरा भगवान) कहा जाता है।

पूजा-पाठ कर आभूषण ज्यादा करने का लालच दिया, महिला ने भाजपा नेता की पत्नी को ठगा

माही की गूंज, रतलाम/जावरा।

एक महिला द्वारा पूजा-पाठ कर जेवर ज्यादा करने का लालच देकर भाजपा नेता भेरूलाल पाटीदार की पत्नी से लाखों रुपए के जेवर व एक लाख 23 हजार रुपए नकद ठगने का मामला सामने आया है। औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने अज्ञात महिला के खिलाफ धारा 420 में प्रकरण दर्ज किया है।

महिला ने कहा- आपके घर लक्ष्मी आ रही है

जानकारी के अनुसार भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री भेरूलाल पाटीदार निवासी अंबिका हाउस पिपलौदा रोड के घर सात फरवरी को एक महिला उनकी पत्नी संपतबाई पाटीदार के पास गई थी, उसने अपना नाम शांताबाई निवासी ग्राम बरगढ़ बताया था। उसने संपतबाई से कहा था कि आपके घर लक्ष्मी आ रही है। कोई जेवर आदि रखें हो तो दे दो, वह पूजा पाठ करवा कर जेवर वापस कर देगी। पूजा-पाठ कराने से रकम बढ़ जाएगी।

झांसे में आकर दे दिए जेवर और 21 हजार रुपए

झांसे में आकर संपतबाई ने उसे सोने व चांदी के कुछ जेवर व 21 हजार रुपए दे दिए थे। कुछ दिन बाद शांताबाई उनके पास पुनः पहुंची और कहा कि कुछ और गहने घर में हो तो वे भी दे दो। पूजा-पाठ कर उनकी मात्रा भी बढ़ाकर वापस कर देगी। इस पर उन्होंने कुछ और जेवर व 51 हजार रुपए उसे दिए थे।

फिर आई और जेवर मांगे

इसके बाद 23 फरवरी को शांताबाई वापस आई और कहा कि और जेवर दे दो, सभी जेवरों की मात्रा बढ़ाकर 25 फरवरी को वापस कर देगी। इस पर पाटीदार की पत्नी ने कुछ और जेवर व 51 हजार रुपए उसे दे दिए थे, लेकिन वह 26 फरवरी तक जेवर वापस लेकर नहीं लौटी।

पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई

इसके बाद भेरूलाल पाटीदार ने थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। बताया जाता है कि, शांताबाई नामक महिला पाटीदार की पत्नी से करीब 13 तोला सोना वजनी सोने के जेवर, छह सौ ग्राम से ज्यादा चांदी के जेवर व एक लाख 23 हजार रुपए ठग कर ले गई। थाना प्रभारी मुनेन्द्र गौतम ने बताया कि, अज्ञात महिला के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर सीसीटीवी कैमरे चेक कर महिला की तलाश की जा रही है।

आफत की बारिश ने किसानों की बढ़ाई परेशानी

माही की गूंज, शाजापुर।

क्षेत्र में ओलावृष्टि के साथ आंधी तूफान सहित झमाझम बारिश लेकर क्षेत्र में मंगलवार का दिन किसानों के लिए काल बन कर आया था। बिन मौसम हुई आफत की बारिश में किसानों की ऐसी परेशानी बढ़ा दी कि वह न घर के रहे न घाट के, पूरे क्षेत्र में झमाझम बारिश के साथ आंधी तूफान ओलावृष्टि आंधी तूफान के चलते खेतों में उगी गेहूं की फैसले पूरी तरह से चादर की तरह बिछ गई है। किसानों फसल देखकर अपने खेतों की मेड पर बैठकर रोने लगे हैं। कहीं होले गिरे हैं जिसके चलते रायडा, मसूर, गेहूं, लहसुन, प्याज जैसी फसलों को काफी नुकसान हुआ है। विशेष कर नुकसान तो गेहूं की फसलों में दिखाई दे रहा है। पिछले पांच माह से किसान जी जान से अपनी फसल को संवारने में लगे थे लेकिन उन्होंने क्या मालूम था कि मंगलवार का दिन उनके लिए आफत लेकर आएगा और दोपहर से ही आफत की ऐसी बारिश हुई कि किसान की फसल चौपट कर दी। ग्राम मदाना चौकी तिगजपुर सिलेपुर अलीसर खेड़ा मुकाती खेड़ा जैसे गांव में ओलावृष्टि हुई हैं जिससे फसल को काफी नुकसान हुआ है। क्षेत्र के किसानों ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक इंदर सिंह परमार, जिला कलेक्टर से किसानो की बर्बाद हुई फसलों का निरीक्षण कर मुआवजा की कार्रवाई करने की मांग की है।

नगर पालिका की टीम ने मुहिम चलाकर हटाए अवैध बैनर पोस्टर

माही की गूंज, मंदसौर।

नगर पालिका परिषद् की टीम ने शहर के मुख्य चौराहों पर सड़कों के किनारे लगे अवैध बैनर पोस्टर, होर्डिंग को हटाने की करवाई की। इसके साथ ही बेतरतीब खड़े हाथ ठेला व दुकानों के बाहर अतिक्रमण करने वाले व्यापारियों को हिदायत दी है।

बता दें कि, नगर पालिका टीम समय-समय पर शहर के मुख्य चौराहे व सड़कों पर लगे बैनर पोस्टर को हटाने की कार्रवाई करती है। शहर के चौराहों व सड़कों के दोनों किनारे, डिवाइडर के पोल लगे बैनर पोस्टर और होर्डिंग से शहर की सुंदरता को खराब करते है। वहीं कई बार दुर्घटनाओं का कारण भी बनते है। नगर पालिका सीएमओ ने कई नेताओं और समर्थकों से शहर को स्वच्छ व सुन्दर बनाए रखने की अपील भी की। हालांकि, इसका कोई असर नहीं हुआ। लिहाजा, नगर पालिका ने किसी भी कार्यक्रम की समाप्त के बाद मुहिम चलाकर शहर में लगे अवैध बैनर पोस्टर को हटाने की कार्रवाई करती है। साथ ही शहर बेतरतीब खड़े रहने वाले हाथ ठेला व्यापारियों को भी हिदायत दी वही दुकानों के बाहर अतिक्रमण करने वाले व्यापारियों को भी अतिक्रमण न करने की हिदायत दी है।

प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना से पथ विक्रताओं के जीवन में आ रहा बदलाव

माही की गूंज, मंदसौर।

प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना पथ विक्रताओं के जीवन स्तर और उनकी आमदनी बढ़ाने में मददगार साबित हो रही है। इसके परिणाम मंदसौर में देखने को मिले हैं।

मंदसौर शहर के इंदिरा कॉलोनी में रहने वाले विजय सिंह बताते हैं कि, प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना ने उनके रोजगार को सशक्त बनाया है। वे कम पूंजी के कारण अपना व्यापार दिक्कतों के बीच कर पाते थे। उन्हें प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना की जानकारी स्थानीय शहरी निकाय के अधिकारियों से मिली। उन्होंने फार्म भरा और उन्हें प्रथम चरण में ब्याज मुक्त ऋण राशि मिल गई, ऋण किश्त का भुगतान उनके द्वारा समय पर किया गया। इसके बाद उन्हें व्यापार बढ़ाने के लिये 20 हजार रुपये की राशि ऋण के रूप में और मिली। अब वे अपने हाथठेले में फल की कई किस्में रखते है। इससे उन्हें अच्छा मुनाफा भी हो रहा है।

इसी योजना का लाभ मंदसौर के ही रवि प्रजापति को मिला है। उन्हें शुरूआत में स्ट्रीट वेंडर योजना में ब्याज मुक्त 10 हजार रुपये की ऋण राशि मिली। इसके बाद उन्हें व्यापार बढ़ाने के लिये ब्याज मुक्त 20 हजार रुपये की राशि मिली। रवि प्रजापति भी बाजार में फल का हाथठेला लगाते है। योजना मिलने पर वे केन्द्र और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते है।

मंदसौर शहर की एमआईटी चौराहे की रहने वाली लीला बाई को भी पीएम स्वनिधि योजना से रोजगार मिला है। लीला बाई बताती है कि पहले उन्हें घर खर्च चलाने में काफी तकलीफे हुआ करती थी। नगर पालिका से जानकारी मिलने पर उन्हें ब्याज मुक्त ऋण मिला। आज वे 20 हजार रुपये की राशि से सब्जी का हाथठेला लगाती है। वे कहती है कि इसी योजना में और लाभ लेकर अपने व्यापार को बढ़ायेंगी।

100 वर्षीय महिला के मोतियाबिंद का सफल आपरेशन संपन्न

माही की गूंज, रतलाम।

जिला चिकित्सालय में इन दिनों मोतियाबिंद आपरेशन की सेवाएं काफी प्रसिद्धि प्राप्त कर रही है। यहां आधुनिक संसाधन उपलब्ध हैं और चिकित्सक डॉ. एमएस सागर भी रूचि से आपरेशन कर रहे हैं। जिसके कारण मोतियाबिंद आपरेशन करवाने वाले मरीजों का तांता लगा हुआ है। इसी क्रम में आलोट तहसील की 100 वर्ष पूर्ण कर चुकी हुजाबाई पति विश्राम निवासी ग्राम नगरा ब्लाक आलोट जिला अस्पताल पहुंची और उन्होंने डॉ. सागर से अपनी आंखों की जांच करवाई। डॉ. सागर ने पाया कि, उनकी दोनों आंखों में मोतियाबिंद है। इसका उपचार आपरेशन करवाने से हो सकता है, फिलहाल उनकी एक आंख में मोतियाबिंद का सफल आपरेशन किया गया, दूसरी आँख का आपरेशन भी शीघ्र किया जाएगा। सफल आपरेशन होने पर हंजाबाई के परिजन प्रसन्न हैं। उन्होंने विभागीय सेवाओं के लिए राज्य शासन को धन्यवाद दिया।

जल जीवन मिशन से पहुँच रहा है हर घर में जल

माही की गूंज, रतलाम।

जिला मुख्यालय से 30 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत पिपलोदी के ग्राम बावड़ीखेड़ा में कुछ समय पूर्व पीने के पानी को लेकर गंभीर समस्या से ग्रामवासी जूझ रहे थे। किंतु अब जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर में नल से जल पहुंच रहा है।

केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की महत्वपूर्ण जल जीवन मिशन योजना से ग्राम बावड़ीखेड़ा मे 90 लाख रुपए की नलजल योजना का क्रियान्वयन किया जा चुका है। इसके अंतर्गत 75 हजार लीटर की 12 मीटर ऊँची टंकी 20 हजार लीटर का संपवेल व 9 किलोमीटर पाइप लाइन डालकर 280 घरों को व शासकीय संस्था स्कूल आंगनबाड़ी को घरेलू कनेक्शन के माध्यम से जोड़ा गया। अब पर्याप्त मात्रा में हर घर को नल से शुद्ध जल मिल रहा है। ग्राम की राजुबाई माया राम, कंचनबाई मोतीलाल, श्यामूबाई नानूराम, बद्दीबाई आदि सभी लोग घर पर ही पानी मिलने से बहुत खुश हैं। उन्हें अब हैंडपंप, कुओं पर नहीं जाना पड़ रहा है।

कांग्रेस को झटका, ढाई हजार नेता भाजपा में

माही की गूंज, शाजापुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा की मौजूदगी में बड़ी संख्या में शाजापुर के कांग्रेसियों ने भाजपा का दामन थामा।

इन्होंने छोड़ा हाथ का साथ

इस मौके पर वरिष्ठ नेता व न्यू ज्वाइनिंग टोली के प्रदेश प्रभारी डॉ. नरोत्तम मिश्रा, प्रदेश शासन के मंत्री इंदरसिंह परमार भी मौजूद रहे। इनके समक्ष कांग्रेस के शाजापुर पूर्व जिला अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह जादौन बंटी बना, आगर नगरपालिका अध्यक्ष निलेश पटेल, पूर्व मंडी अध्यक्ष चंदरसिंह मेवाड़ा, शाजापुर जिला कांग्रेस प्रवक्ता गोविंद शर्मा, जिला महामंत्री विजेन्द्र पाटीदार सहित जिले के ढाई हजार कांग्रेस पदाधिकारियों, पार्षदों, सरपंचों, एवं पूर्व सरपंचों ने पार्टी की विचारधारा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों से प्रभावित होकर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा में शामिल होने वाले नेताओं को प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेताओं ने अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया।

ग्रामीण क्षेत्रों में जारी है वाहनों की छत से लटककर यात्रा

माही की गूंज, रतलाम/सरवन। आदिवासी अंचल में हादसों के बाद भी सवारी वाहनों में ओवरलोडिंग की समस्या बरकरार है। वाहनों में क्षमता से चार से पांच गुना अधिक सवारियां बैठाई जा रही है। ग्रामीण जान जोखिम में डालकर वाहनों की छत और लटककर यात्रा कर रहे हैं। जिम्मेदार खानापूर्ति की कार्रवाई कर कर्तव्य से इतिश्री कर रहे हैं।

आदिवासी अंचल सरवन, सैलाना, बाजना, रावटी सहित रतलाम जिले के अन्य गांवों में वाहनों में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर ग्रामीणों की जान-माल से खिलवाड़ किया जा रहा है। ओवरलोड वाहन दिनभर जिम्मेदारों की आंखों के सामने से फर्राटे से दौड़ रहे हैं। ओवरलोड वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने पर अब तक कई लोग असमय काल का ग्रास बन चुके हैं। इसके बाद भी वाहनों में मौत का सफर बदस्तूर चल रहा है।

केवल दिखावे की कार्रवाई

दुर्घटना के बाद एक-दो दिन पुलिस द्वारा ओवरलोड वाहनों पर सख्ती से कार्रवाई की जाती है, लेकिन इसके बाद स्थिति पुनः जस की तस हो जाती है। ग्रामीण हर दिन जान जोखिम में डालकर यात्रा करते देखे जा सकते हैं। गंभीर दुर्घटनाओं के बावजूद तीन पहिया वाहन में 30 से 40 और चार पहिया वाहन में 50 से 60 सवारियां बैठाई जा रही है।

श्री विघ्नहरा पार्श्वनाथ जैन मंदिर खिलचीपुरा पर वार्षिक ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न

माही की गूंज, मंदसौर।

मंदसौर नगर से सटे खिलचीपुरा स्थित अति प्राचीन चमत्कारिक जैन तीर्थ श्री विघ्नहरा पार्श्वनाथ जैन मंदिर पर वार्षिक ध्वजारोहण का आयोजन संपन्न हुआ। आयोजन के लाभार्थी रूपचंदजी बदामबाई स्व. लक्ष्मीलालजी धींग की स्मृति में जैन नमकीन परिवार मंदसौर के विजया धींग, संदीप धींग, राधिका धींग एवं धींग परिवार के अन्य सदस्यों ने मंदिर के शिखर पर ध्वजा चढाई। ध्वजा से पूर्व कार्यक्रम में पूजन व वार्षिक चढावे भी बोले गये।

कार्यक्रम साध्वी श्रीजी मोक्षज्योति श्रीजी मसा, आदर्शज्योति श्रीजी मसा,आशयज्योति श्रीजी मसा, आर्यज्योति श्रीजी के पावन निश्रा में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः साढ़े 9 बजे सत्तर भेदी पूजन, प्रातः साढ़े 10 बजे वार्षिक चढावे और प्रातः 11 बजे मंदिर के शिखर पर ध्वजा चढाई गई। जिसके पश्चात् मंदिर के सामने स्थित सेठ भेरूलालजी कस्तुरचंदजी चण्डावला जैन भवन में स्वामीवात्सल्य का आयोजन हुआ। पूजन विधिकारक सुनील कुमार जैन भाटखेडी ने करवाई।

नही देखा होगा आपने ऐसा शिव मंदिर

जहां एक चौखटे पर चार महादेव एक साथ विराजमान

माही की गूंज, शाजापुर।

वैसे तो शाजापुर में अनेक शिव मंदिर हैं, लेकिन इनमें से कुछ शिव मंदिर ऐतिहासिक हैं जिनके पीछे कई कहानियां जुडी हुईं हैं। कई मंदिर ऐसे हैं जिनमें प्राचीन इतिहास से जुडी की किंवदतियां जुडी हुईं हैं। आपने अक्सर शिव मंदिरों में एक मुखौटे के साथ एक शिवलिंग वाला मंदिर देखा होगा, लेकिन शाजापुर में एक शिव मंदिर ऐसा भी जिसमें मुखौटा एक मगर महादेव चार। जी हां! यह शिव मंदिर सोमेश्वर महादेव मंदिर के नाम से जाना जाता हैं।

इस मंदिर के पुजारी पंडित यशवंत सुगंधी बताते हैं कि, इस मंदिर में एक ही मुखुटे में चार महादेव विराजते हैं। पंडित यशवंत सुगंधी के मुताबिक यह चारों महादेव भाई हैं। सबसे पहले इस मंदिर में सोमेश्वर महादेव उसके बाद मंगलेश्वर महादेव फिर मुक्तेश्वर महादेव और अंत में गतेश्वर महादेव विराजमान हैं।

मुरादपुराद मंदिर में विराजमान शिव की कहानी

मुरादपुरा मंदिर वैसे तो हनुमान जी के मंदिर के नाम से प्रसिद्ध हैं और इस मंदिर का नाम मुरादपुरा इस लिए पड़ा क्यों कि यहां आने वाले हर एक श्रद्धालुओं की मन्नत पूरी होती हैं। इस मंदिर में एक शिव मंदिर भी हैं और इस शिव मंदिर की खास बात यह हैं कि, यह शिव मंदिर हुबहु नेपाल और मंदसौर में विराजमान पशुपतिनाथ से मिलता जुलता हैं। आसपास के क्षेत्र के रहवासी इसे शाजापुर शहर का पशुपतिनाथ मंदिर के नाम से पुकारते हैं। इस मंदिर कि स्थापना सन 1994 में की गई थी।

मंगलनाथ में महादेव के साथ नंदी नहीं मेंडा विराजित

शाजापुर को राजराजेश्वरी की नगरी के नाम से पहचान दिलाने वाले अति प्राचीन मां राजराजेश्वरी मंदिर के पीछे विराजमान हैं बाबा मंगलनाथ, जो कि हमेशा अपने भक्तों का मंगल करते हैं। इस मंदिर के पुजारी पंकज मेहता का कहना हैं कि, इस मंदिर में विराजमान महादेव की सेवा हमारी आठवीं पीढ़ी कर रही हैं। यह मंदिर काफ़ी पुराना हैं। वह बताते हैं कि, अक्सर शिव मंदिरों में भगवान शिव की शिवलिंग के साथ नंदी जी को देखा जाता हैं, लेकिन इस मंदिर में शिवलिंग के साथ नंदी जी को नहीं बल्कि मेंडा को विराजमान किया गया हैं। क्योंकि शिव की सवारी नंदी नहीं मेंडा हुआ करती थी।

नगर में अवैध व्यापार धड़ल्ले से संचालित, प्रशासन मौन

देशभक्ति और जनसेवा के सिद्धांत को भूल बैठे अधिकारी

माही की गूंज, शुजालपुर।

नगर भर में आजकल पुलिस के संरक्षण तले सटोरिया द्वारा महाबन्दी के रूप में अपना व्यापार ईस तरह संचालित किया जा रहा है मानो जैसे कानून-कायदे व नियम-निर्देश ईन सट्टा माफियाओं के लिए अपने पैर की जुती बने हुए है। हो भी क्यों न क्योंकि जब पुलिस ही ईन माफीयाओ द्वारा फेके गए चंद टुकड़ों के लिए अपना धरम ईमान बेचने पर आमदा हो जाए तो माफियाओ को भी आखिर किस बात का डर हो। अब ऐसा ही मामला विगत कई महीनो से नगर के सिटी थाने में देखने को मिल रहा है। जिसमे थाने में पदस्थ घूसखोर पुलिस अधिकारी अपनी देशभक्ति जनसेवा के सिद्धांतो को भूलकर सटोरियो द्वारा फेके गए चंद टुकड़ों के लिए मानो मासिक वेंतनभोगी के रूप में कार्य कर गली-गली में सटोरियो से उगाही कर सट्टे की दुकानें संचालित करवा रहा है। जिसके कई प्रमाण भी है।

अपनी बहन की शादी में किए गए खर्च की उगाही सटोरिया से करने पर आमादा

विश्वशनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, एक पुलिस अधिकारी ने अपनी बहन की उज्जैन शहर में की गई शादी में लाखो रुपए का खर्च किया था और उन्ही लाखो रूपए की शादी के खर्च का भरण अब सटोरियो से प्राप्त होने वाले धन से करने की जुगत में लगा है। नगर भर में फैले सटोरिए भी अपने गोरख धंधे को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए ईस घूसखोर पुलिस अधिकारी को मासिक भत्ता देने पर मजबूर हो चुके है। क्योंकि मासिक भत्ता प्राप्त न होने की दशा में घूसखोर पुलिस अधिकारी के कान में फूक मारकर जैल की हवा खिला देता है।

बेखौफ सटोरियो को पुलिस का आशीर्वाद

मिया-बीवी ने मिलकर सिटी थाने से कर डाली है लाखो की उगाही

रिश्वत खोर उस पुलिस अधिकारी की जीवन संगिनी भी ईसी थाने में पदस्थ है जो मुख्य तौर पर महिला संबंधित अपराधो में विवेचना के नाम पर फरियादियों पर ईस कदर धोस जमाती है जैसे शहर का सिटी थाना मानो ईन दोनो मिया-बीवी की बपौती हो। और तो और संबंधित अपराध में विवेचना के दरमियान मैडम भी अपने पति के साथ कंधे से कंधा मिलाकर दो नंबरी पैसा ईस कदर एकत्रित कर रही है जैसे इनके पति ने ही इनको खुली छूट दे रखी हो।

भीमपुरा में राहुल, गोलू दोनों भाई मिलकर सट्टे का अवैध व्यापार धडल्ले से संचालित कर रहे। जिनको पुलिस का फूल सपोर्ट मिल रहा और ये दोनों रंगा-बिल्ला की जोड़ी बीच चोराहे पर सट्टे का व्यापार कर रहे। मगर पुलिस अधिकारी सटोरियो से महाबंदी की मोटी रकम लेने में मस्त इन। ऐसे घुसखोर पुलिस अधिकारी का शहर में शांति का कोई मतलब नहीं रखा। जहा देखो वहा साहब की पनाह लिऐ सटोरिए, गांजा तस्कर, पावडर तस्कर, शराब माफिया, बे खोफ संचालित कर रहे हैं जिनको पुलिस का पूरा-पूरा योगदान मील रहा।

सड़क पर बिखरे मिले हजारों रुपए, बच्चों ने किया ऐसा काम पुलिस भी रह गई हैरान

माही की गूंज, खरगोन।

कहते हैं बच्चे भगवान का दूसरा रूप होते हैं। शायद इसी बालरूपी भगवान ने इंदौर संभाग के खरगोन में ऐसी मिसाल कायम कर दी जो कलयुग में तो बड़ी मुश्किल से देखने को मिलती है। दरअसल, खरगोन जिले के बड़वाह तहसील में दो बच्चों को रास्ते में एक या दो हजार नही बल्कि 9 हजार रुपए पड़े मिले। बच्चे चाहते तो ये पैसा चुपचाप अपने पास रख लेते लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और मासूमियत और ईमानदारी की मिसाल कायम करते हुए उन्होंने ये रूपया नजदीकी पुलिस थाने में जमा करवा दिया। अब इस राशि का जो भी दावेदार होगा वह थाने आकर इसे ले सकेगा।

ये है पूरा मामला

मिली जानकारी के अनुसार बच्चों को स्कूल के बाहर ही सड़क पर 8 हजार 900 रुपए बिखरे हुए पड़े मिले थे। बच्चे यहां पर खेल रहे थे और खेलते खेलते ही उन्हें ही रुपए मिले थे। इनमें ज्यादातर नोट 500 रुपए के शामिल थे। बच्चों ने यह पैसे इकट्ठे किए और बड़वाह एसडीओपी अर्चना रावत के कार्यालय पहुंचकर रकम उनके सुपुर्द कर दी। इस मौके पर एसडीओपी अर्चना रावत ने भी बच्चों को प्रोत्साहन करते हुए उन्हें पुरस्कार किया।

ईमानदारी को देखकर पुलिस भी हैरान

बच्चों ने पैसा इकट्ठा करने के बाद इसकी जानकारी पहले अपनी कक्षा की अध्यापिका को दी और टीचर ने बच्चों से मिले रुपए की जानकारी विद्यालय के प्रबंधक रामकृष्ण जायसवाल को दी। वही रामकृष्ण जयसवाल ने दोनों बच्चों को शाबाशी दी और रुपए के साथ उन्हें थाने भिजवाया। थाने पर बच्चों ने यह पैसे एसडीओपी अर्चना रावत को पूरी जानकारी के साथ सौंप दिए। दोनों छोटे-छोटे बच्चों की इस ईमानदारी को देखकर पुलिस भी हैरान है और एसडीओपी अर्चना रावत ने बच्चों को सम्मानित किया है। अर्चना रावत ने कहा कि, बच्चों की इसी ईमानदारी पर उन्होंने उन्हें पुरस्कृत भी किया है ताकि और बच्चों को भी प्रोत्साहन मिल सके।

आरटीई में प्रवेश को लेकर कम होने लगी पालकों की रुचि

माही की गूंज, बड़वानी।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों (निजी स्कूल) में कमजोर वर्ग व वंचित समूह के बच्चों के प्रवेश में बीते वर्षों से कमी आने लगी हैं। आरटीई के तहत पालक भी अपने बच्चों को बड़े निजी स्कूलों में प्रवेश कराने से कतराने लगे हैं। इसका कारण महंगी शैक्षणिक सामग्री और कई स्कूलों की दूरी भी कारण बनने लगी हैं। हालांकि राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत शुक्रवार से प्रक्रिया शुरू हो गई हैं।

इसके तहत जिले की निजी स्कूल में विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। बता दें कि पूर्व के मुकाबले अब सरकारी स्कूलों में बेहतर सुविधाएं, निःशुल्क पाठ्य सामग्री और पढ़ाई का स्तर सुधरने लगा हैं। उधर, आरटीई के तहत कमजोर व वंचित समूह के बच्चों को निजी स्कूलों में निशुल्क प्रवेश तो मिल जाता हैं, लेकिन वर्षभर की पाठ्य सामग्री आर्थिक भार बढ़ाती है। साथ ही कई बार स्कूलों का आनलाइन चयन संबंधित बच्चे के निवास से दूरी पर होने के चलते भी पालक सीट आवंटन के बावजूद प्रवेश नहीं दिलाते।

बहरहाल, आगामी 2024-25 सत्र के लिए राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी कलेक्टर को नियमानुसार पूर्ण पारदर्शी से नियत समय में काम करने के निर्देश भी जारी किए है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में पिछले साल जितनी सीट आरक्षित की गई थी, उसके मुकाबले आधी सीटें रिक्त रह गई थी। पिछले वर्ष जिले में कुल 3 हजार 950 सीट आरक्षित थी। जिसके विरूद्ध 2 हजार 91 सीट पर बच्चों ने प्रवेश हुआ और एक हजार 859 सीट रिक्त रही।

बड़वानी जिले में 324 निजी स्कूल डीपीसी कार्यालय के आरटीई प्रभारी के अनुसार जिले में करीब 324 निजी स्कूल है। जिनमें विभिन्न कक्षाओं में 25 प्रतिशत के मान से आरटीई के तहत प्रवेश दिया जाना है। हालांकि अब तक वरिष्ठ कार्यालय से आरक्षित सीटों की स्थिति साफ नहीं हो पाई है। हालांकि प्रवेश प्रक्रिया में आवेदक के निवास स्थान के पास की स्कूल को ही प्राथमिकता दी जाती है।

2 वर्षीय मासूम को कुत्ते ने दी दर्दनाक मौत

माही की गूंज, बड़वानी।

मध्यप्रदेश के बड़वानी से एक दिल दहला देने वाला एक मामला सामने आया है। यहां 2 वर्षीय मासूम बच्ची को कुत्तों ने नोंच-नोंचकर मार डाला। इस घटना के पश्चात् आसपास के लोग भी हैरान हैं। यह घटना बड़वानी शहर के वार्ड 9 की है। मृत बच्ची की पहचान 2 वर्ष की शौर्य डुडवे के रूप में की गई है। इस घटना से गुस्साए कई पार्षदों ने नगर पालिका परिसर में धरना भी दिया। इस पर सीएमओ वक़्त-वक़्त पर कार्रवाई करने की बात कही। वहीं पशु प्रेमियों एवं एनजीओ वालों पर कार्रवाई में बाधा डालने का भी इल्जाम लगाया।

अपने घर से बाहर निकली 2 वर्षीय शौर्य डुडवे पर एक साथ कई कुत्तों ने अचानक हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से घर वाले भौचक्के रह गए। घरवाले जब तक मासूम को कुत्तों से छुड़ा पाते, जब तक मासूम को कुत्तों ने बुरी तरह से नोंचकर चोटिल कर दिया था। इस के चलते जैसे तैसे शौर्य की दादी ने कुत्तों से उसे छुड़वाया। बच्ची

को छोड़ने के पश्चात् कुत्ते दादी के ही पीछे भागने लगे।

चोटिल शौर्य को हॉस्पिटल ले जाने के दौरान ही उसकी मौत हो गई। मृत बच्ची की दादी मनीषा ने बताया कि, हमारे घर के आस-पास मटन मार्केट है। साथ ही घर के पास ट्रेंचिंग ग्राउंड पर नगरपालिका मृत जानवरों को फेंक देती है। इस कारण कुत्ते हिंसक हो चुके हैं। वहीं घटना से आक्रोशित बड़वानी नगर पालिका के वार्ड नंबर 9 के पार्षद समेत कई अन्य पार्षद भी नगर पालिका परिषद में धरने पर बैठ गए। इस पर नगर पालिका सीएमओ कुशल सिंह डुडवे ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि वक़्त-वक़्त पर हमलोग कार्रवाई करते हैं।

सीएमओ ने कहा कि, कुछ वक़्त पहले हमारी कुत्ते पकड़ने वाली गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। वहीं कुत्तों को पकड़ने के चलते पशु प्रेमी एवं एनजीओ वाले बहुत परेशान करते हैं। हम निरंतर कार्रवाई करते हैं तथा आज भी कुत्ते पकड़ने की कार्रवाई की जा रही है। हां हमारे पार्षद जो बोल रहे हैं कि मृतक जानवर ट्रेंचिंग ग्राउंड पर नहीं फेंके तो हम अब मृतक जानवरों को वहां नहीं फेंकेंगे।

आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम अंतर्गत आशा, आंगनवाडी एवं एएनएम की बैठक का हुआ आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास की मैदानी स्तर के कर्मचारियों, पर्यवेक्षक स्तर एवं ब्लाक अधिकारी स्तर की संयुक्त बैठक माह में दो दिवस हेतु आयोजित की गई। बैठक मे परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास पाटी, मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी, पर्यवेक्षक कर्मी सहित मैदानी कर्मचारी जिसमे एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के 7 इंडिकेटर्स एवं महिला एवं बाल विकास के 7 इंडिकेटर्स कुल 14 इंडिकेटर्स पर विस्तृत चर्चा एवं समीक्षा की गई।

मुख्यतः गर्भवती महिला का त्रेमास में अनिवार्य पंजीयन- क्षेत्र में सभी लक्षित महिलाओं को त्रेमास में ही अनिवार्य पंजीयन कर आगामी लाभ दिये जाने पर मैदानी अमले को निर्देशित किया गया। उप स्वास्थ्य केन्द्र वार एचएमआईएस एवं आरसीएमएच पर दर्ज डाटा के आधार पर निम्न प्रगति बाटम 10 उप स्वास्थ्य केन्द्र के एएनएम, आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं आशा से निम्न प्रगति का कारण ज्ञात किया एवं भविष्य में संतोषजनक प्रति प्राप्त किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही सभी आंगनवाडी कार्यकर्ता को उनके रिकार्ड में दर्ज गर्भवती महिला का मिलान स्वास्थ्य विभाग के आशा एवं एएनएम से कर डाटा वेलिडेट करने हेतु निर्देशित किया गया। इसी के साथ गर्भवती महिलाओ के संस्थागत प्रसव को शत प्रतिशत कराने पर विशेष प्रयास करने एवं प्रसव कि संभावित तिथि के पूर्व महिला को निकटतम प्रसव केंद्र पर भर्ती कराने हेतु निर्देश दिए गए।

आजीविका मिशन की समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी। कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग द्वारा मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बड़वानी के जिला एवं विकास खंड स्तरीय अमले की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे बैंको से समन्वय कर स्व सहायता समूहों को लक्ष्य अनुसार शत प्रतिशत बैंक ऋण वितरण कराकर बैंक लिंकेज पोर्टल पर एंट्री कराने तथा एनपीए को शून्य कराने एवं मुद्रा लोन के ज्यादा से ज्यादा आवेदन लगा कर शत प्रतिशत ऋण वितरण कराने का निर्देश दिया गया। समूहों द्वारा क्लस्टर आधारित कृषि एवं गैर कृषि गतिविधि बढ़ाकर उनके अच्छे उत्पादों का ऑनलाइन प्लेटफार्म एवं अन्य बाजारों में मार्केट उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही कलेक्टर द्वारा स्व सहायता समूहों की आजीविका संवर्धन हेतु अन्य महत्वपूर्ण सुझाव गए। समीक्षा बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री जगदीश कुमार गोमे द्वारा सभी लक्ष्य समय सीमा में पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया।

बेबाकी के साथ...सच
माही की गूंज
एजेंसी देना है
झाबुआ जिले में
रंभापुर, मदरानी, झकनावदा, खवासा, राणापुर
अलीराजपुर जिले में
सौंडवा, कड्डीवाड़ा, छकतला, चांदपुर, बोरी
संपर्क - 9589882798, 9981318651

पाइप लाइन फूटने से 40 फीट ऊपर तक उठा फव्वारा

माही की गूंज, खरगोन।

इंदौर शहर को पेयजल की आपूर्ति के लिए बनी इंदौर जल प्रदाय योजना की पाइप लाइन अचानक फूट गई। लाखों गैलन पानी से खड़ी फसलें खराब हो गई। किसानों की मानें तो पानी का बहाव इतना तेज था कि इससे करीब 30 से 40 फीट तक पानी का फव्वारा देखने को मिला। पाइप लाइन से निकलने वाले लाखों गैलन पानी आस-पास के खेतों में जा घुसा। इससे खड़ी केले और चने की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई।

पीएचई आधिकारियों को ग्रामीणों ने लौटाया

लगभग दो-तीन घंटे तक पानी का बहाव होता रहा। खेतों में पानी घुसने से फसलों की बर्बादी से आक्रोशित किसानों ने घटना स्थल पहुंचे पीएचई विभाग और चीमा टेक कंपनी के अधिकारियों, तकनीकी टीम को घटना स्थल में घुसने नहीं दिया। किसानों के भारी विरोध के बाद अधिकारी मंडलेश्वर स्थित पीएचइ कार्यालय लौट गए। उच्चाधिकारियों को घटना से अवगत कराया।

गिलहरी के कारण बिजली लाइन फाल्ट

घटना स्थल पर पहले पहुंचे एसडीओ डीएस चौहान ने बताया कि, पानी रुकने के बाद ही पता चलेगा की कौन सी पाइप लाइन फूटी हैं। यहां से प्रथम चरण, द्वितीय चरण और तीसरे चरण की पाइप लाइन जा रही हैं। पानी रुकने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। जिस स्थान पर पाइप लाइन फूटी है, वह स्थान नर्मदा घाट इंटेक वेल और पुराने फिल्टर स्टेशन के बीच पड़ता है। एसडीओ ने बताया कि, गिलहरी के कारण बिजली लाइन फाल्ट हो गई है। इस कारण पंप ट्रीप हो गए और पाइप लाइन फूट गई। इस कारण मुख्य रूप से ग्राम जलूद के चार किसानों की फसलें बर्बाद हुई है।

50 लाख का मुआवजे की मांग

आक्रोशित युवा किसान अक्षय सिंह कुशवाह ने कहा कि, बीते साल भी पाइप लाइन के फूटने से मेरी 20 बीघे की पपीते की फसल और 12 बीघा चने की फसल बर्बाद हुई थी। जिसका अब तक कोई मुआवजा नहीं मिला। अब केले की फसल बर्बाद होने से मुझे 50 लाख का नुकसान हुआ है। जब तक मुआवजे का ऐलान नहीं होता किसी भी व्यक्ति को यहां घुसने नही दूंगा। राजस्व और उद्यानिकी विभाग की टीम नुकसान का आकलन करने के लिए प्रभावित खेतों में पहुंची। यहां नुकसान का वास्तविक आकलन किया जाएगा। अभी पीएचइ विभाग की टीम को बाहर रखा गया है।

वहीं एसडीएम मंडलेश्वर अनिल जैन ने बताया कि, इंदौर नगर निगम के अधिकारियों से चर्चा हुई है हमने राजस्व विभाग को भेजा है। विभाग के माध्यम से सर्वे किया जा रहा है। इंदौर नगर निगम के माध्यम से राशि दिलाई जाएगी। लीकेज सहित अन्य कारण बता रहे हैं। जांच कर रहे हैं।

भाजपा-कांग्रेस नेताओं सहित बॉलीवुड एक्टर ने आजाद को किया नमन

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की 94 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर चंद्रशेखर आजाद ग्राउंड परिसर पर सभा का आयोजन किया गया। जिसमे कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान, सासंद गुमान सिंह डामोर, भाजपा नेता विशाल रावत सहित कई भाजपा कार्यकर्ताओं ने शिरकत की। वहीं कांग्रेस से पूर्व सांसद कांतिलाल भूरिया, जोबट विधायक सेना पटेल, पूर्व विधायक मुकेश पटेल, महेश पटेल सहित कई कार्यकर्ता शामिल हुए। इसी के पूर्व रैली के रुप में कांग्रेस व भाजपा के कई दिग्गज नेताओं ने द्वारा चल समारोह निकाल कर आजाद मंदिर पर पहुंचे जहां अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्प माला अर्पित कर आजाद को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं कांग्रेस के पूर्व सासंद कांतिलाल भुरिया ने भाजपा पर निशाना साधते हुऐ लोकसभा चुनाव में भारी बहुमत से विजय होने की बात कहीं तो वही भाजपा सांसद गुमान सिंह डामोर ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि, कांग्रेस के पास न तो तो नेता है न नीति है और न नियत है।

जय हिंद अभियान के नेतृत्व में पहुंचे बॉलीवुड एक्टर मुकेश खन्ना

टीवी सीरियल में शक्तिमान व महाभारत में पितामह भीष्म का किरदार निभाने वाले मुकेश खन्ना ने अमर शहिद चंद्रशेखर आजाद के 94वे बलिदान दिवस पर चंद्रशेखर आजाद नगर भाभरा पहुंचकर उद्यान पार्क में पौधरोपण किया एवं आजाद कुटिया पर जाकर चंद्रशेखर आजाद को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुकेश खन्ना ने जय हिंद अभियान के अंतर्गत चंद्रशेखर आजाद की कुटिया से पैदल मार्च कर आजाद उद्यान पहुंचे जहां पर पौधरोपण किया गया। इस आयोजन में जय हिंद अभियान के राष्ट्रीय संचालक गोपाल सिंह, राष्ट्रीय महासचिव दीपक त्रिपाठी, हाई कोर्ट के न्यायाधीश अनिल वर्मा का सराहनीय योगदान रहा और जिला जय हिंद अभियान के अध्यक्ष घनश्याम पवार, जिला उपाध्यक्ष खलील मंसूरी, सचिव जिला वीरेंद्र राठौड़, प्रदेश मार्गदर्शक तोमर, मुंबई व गुजरात से पधारे जय हिंद अभियान के सभी सदस्यों के साथ जिले की टीम का भी पूर्ण योगदान रहा। इस दौरान बॉलीवुड सितारा मुकेश खन्ना के साथ नगर के पत्रकारों ने लाइब्रेरी हाउस में प्रेसवार्ता की।

ऑपरेशन कवच को लेकर सक्रिय हुई यातायात पुलिस

माही की गूंज, अलीराजपुर।

आगामी दिनो मे जिला अलीराजपुर में आयोजित होने वाले भंगोरिया पर्व के साथदृसाथ विवाह कार्यक्रम व त्यौहारो को दृष्टीगत रखते हुऐ यातायात पुलिस द्वारा आपरेशन कवच के तहत जिला मुख्यालय पर ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगो के आवागमन के साधनो को संचालित करने वाले जीप, आटो, तुफान आदि के चालको को शहर के बाहरी क्षेत्रों में जाकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बताया गया कि, आगामी दिनो ग्रामीण क्षेत्रों से शहर मे बडी मात्रा मे लोग उनके वाहनो में बैठ कर आयेगे जिनको की लाने ले जाने में वे लोग किसी भी तरह से अपने वाहन मे क्षमता से अधिक सवारियों ना बैठावे, क्षमता से अधिक सवारियो को बैठाये जाने पर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। साथ ही उनके वाहनो के उपर लगाये हुऐ केरियर को भी स्वंय ही हटा लेवे और वाहन के समस्त वैध दस्तावेज अपने साथ रखे और नाबालिक चालक को वाहन चलाने नही दे। इस संबंध मे अलीराजपुर शहर मे आने वाले जीप / तुफान / आटो चालकों को और उनमें बैठने वाली सवारियों को थाना प्रभारी यातायात सूबेदार अर्जुनसिह वास्केल व यातायात की टीम द्वारा समझाईश दी गई और नानपुर रोड व आम्बुआ पर चलने वाले कई वाहनों के केरियर भी उतरवाये गये साथ चालानी कार्यवाही भी की गई। उक्त कार्यवाही से अधिकतर वाहन चालक संतुष्ट भी नजर आये और अन्य सभी तुफान, जीप, आटो चालको ने यातायात पुलिस को आश्वस्त भी किया की वे लोग अपने वाहनो के उपर लगे केरियर स्वंय उतार लेगे और क्षमता से अधिक सवारियों का परिवहन न करेगे।

नर्मदा समग्र द्वारा आयोजित पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

माही की गूंज, अलीराजपुर।

नर्मदा समग्र द्वारा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से आयोजित पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला कृषि विज्ञान केन्द्र अलीराजपुर में आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के शुभारंभ सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता चौहान उपस्थित हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता नर्मदा समग्र अध्यक्ष राजेष दवे ने की। कार्यशाला का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता चौहान, नर्मदा समग्र अध्यक्ष, डॉ. सुदेश वाघमारे ने मां सरस्वती एवं मां नर्मदा के चित्र का पूजन, दीप प्रज्वलन एवं पुष्पमाला अर्पित कर किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता चौहान ने कहा, जीवन में सीखने की कोई उम्र नहीं होती है। इको सिस्टम सर्विस के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा पर्यावरण के साइकिल को सुव्यवस्थित करने के लिए सशक्त इको सिस्टम आवष्यक है। उन्होंने ईको सिस्टम को बेहतर और सशक्त बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति के दायित्व और कर्तव्य के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, पर्यावरण को संरक्षित करने हेतु पेड़ पौधों के संरक्षण के साथ-साथ उनका रोपण आवष्यक है। इसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे आना होगा। उन्होंने पारिस्थितिकी तंत्र में जैविक खाद के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने गोबर एवं जैविक खाद की आवश्यकता पर भी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने जीवन में योग के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये। श्रीमती चौहान ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के महत्व की बात कहते हुए उक्त योजना के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण हेतु होने वाले प्रयासों पर अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने प्रत्येक हितग्राही को योजना तथा उससे होने वाले पर्यावरणीय लाभ के बारे में जागरूक करने की बात कही। उन्होंने कहा, अलीराजपुर जिले में नर्मदा जल को पूरे जिले तक पहुंचाने के प्रयास किये जा रहे है। उन्होंने सभी का आह्वान किया कि आमजन को नर्मदा जल सहित अन्य नदी नालों आदि में वर्षा जल के महत्व की जानकारी दी जाए। जल के अपव्यय को रोकने हेतु हर स्तर पर व्यापक प्रयास करने की बात कही। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों से उक्त प्रशिक्षण के माध्यम से मिली जानकारी को अन्य जिलेवासियों तक पहुंचाने की बात कही।

कार्यशाला के शुभारंभ सत्र अवसर पर डॉ. सुदेश वाघमारे ने कार्यशाला की संकल्पना पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए पारिस्थितिकी तंत्र को संषक्त बनाने वाले तत्वों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला में नर्मदा समग्र के कार्यकारी कार्तिक सर्पे एवं अन्य पदाधिकारीगण ने अतिथिगण का स्वागत किया। अतिथिगण का तुलसी पौधा एवं गोबर शिल्प भेट कर स्वागत किया गया। संचालन नर्मदा समग्र के मनोज जोशी ने किया। सत्र समापन आभार दवे ने माना। कार्यालय में डिप्टी कलेक्टर जीपी अग्रवाल, कुलदीप मंडलोई, राजेश जादम, नर्मदा समग्र के सदस्यगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारीगण आदि उपस्थित थे।

मुस्लिम समाज ने परंपरागत तरीके से मनाया शब-ए-बारात का त्यौहार

माही की गूंज, आम्बुआ।

खुदा की रहमत उनकी इबादत और खुदा से अपने द्वारा किए गए गुनाहों की माफी तथा इसके लिए वर्ष भर ÷सब्र÷ इंतजार करना कि शब-ए-बारात का समय आए और गुनाहों से तौबा की जाए अपने जो गुजर गए हैं उनके लिए दुआ करना इसके लिए इंतजार करना ही शब-ए-बारात का समय होता है।

इस्लाम धर्म में इस्लामिक पंचांग के मुताबिक शब-ए-बारात शाबान की 14-15 तारीख की दरमियानी रात को मनाया जाता है। यह 14 तारीख की रात से शुरू होकर 15 तारीख की सुबह को समाप्त होता है। सही माने में इस रात को क्षमा मांगने यानी कि साल भर में किए गए जाने अनजाने गुना की क्षमा मांगने की रात होती है। रात को कब्रिस्तान जाकर अपनों की कब्र के पास जाकर अल्लाह से दुआ मांगते हैं कि अल्लाह इन्हे जन्नत नसीब करें। इस्लाम का आठवां महीना शबाना का होता है इसी माह की 14-15 तारीख की दरमियानी रात शब-ए-बारात मनाई जाती है।

आम्बुआ में 25 फरवरी को शब-ए-बारात का त्यौहार मनाया गया। इस तारीख को समाज जनों ने मस्जिद में नमाज अदा की तथा रात्रि में कब्रिस्तान जाकर अल्लाह से दुआ मांगी। मुस्लिम जमात में शब-ए-बारात में दो दिनों तक रोजा रखने का रिवाज है पहले शब-ए-बारात के दिन तथा दूसरा रोजा अगले दिन रखा जाता है। रमजान माह में रोजा हर मुस्लिम का फर्ज होता है मगर शब-ए-बारात के दोनों रोजे फर्ज नहीं बल्कि नफिल रोजा कहा जाता है। शब-ए-बारात में की गई दुआ जरूर कबूल होती है अल्लाह जरूर सुनता है कबूल करता है। बताते हैं कि, पांच रातें वो होती है जिनमें की जाने वाली दुआएं अल्लाह जरूर कबूल करता है। उन रातों में पहली रात शुक्रवार यानी कि जुम्मे की रात, दूसरी रात ईद-उल-फितर से पहले की रात, तीसरी रात ईद-उल-अधा से पहले की रात तथा चौथी पहली रात रज्जब की रात और पांचवी रात शब-ए-बारात की रात की दुआ तत्काल अल्लाह कबूल कर उसका शबाब देता है। शब-ए-बारात की रात मुस्लिम जमात पूरी रात नमाज अदा करते हैं कुरान पढ़ते हैं तथा अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। आम्बुआ में शब-ए-बारात का त्यौहार परंपरागत तरीके से मनाया गया।

आगामी दिनों में भगोरिया, होली आदि त्यौहार मगर बाजार में सन्नाटा पसरा

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ ही नहीं अपितु संपूर्ण क्षेत्र में आदिवासी संस्कृति का लोक पर्व भगोरिया तथा होली का त्यौहार आ रहा है। इन त्योहारों के पूर्व लगभग एक माह पर्व से बाजार में चहल-पहल दिखाई दे जाती थी, मगर इस बार सन्नाटा पसरा होने से सब आशंकित हो रहे हैं।

यों भी जब कोई भी त्यौहार आता है, उसके पूर्व बाजार में रौनक आ जाती है। त्यौहार की चहल-पहल दिखाई देने लगती है। जिसे देख व्यवसाई अपनी दुकानों में सामान भर लेते हैं ताकि त्योहारों के समय बिक्री कर लाभ अर्जित किया जा सके। मगर इस बार एक हफ्ते बाद क्षेत्र में आदिवासी संस्कृति पर्व भगोरिया आ रहा है। भगोरिया के बाद होली का त्यौहार है मगर अभी तक बाजार में कोई चहल-पहल दिखाई नहीं दे रही है। बाजार में कर्फ्यू जैसा सन्नाटा पसरा है और व्यापारी इसे देखकर आशंकित है कि भविष्य में धंधा व्यवसाय होगा की नहीं, वह दुकानों में माल भरे या नहीं भरे, इस असमंजस्य में बैठे हैं।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के लिए अब तक 74 हजार 711 करोड़ के निवेश पर सहमति

माही की गूंज, उज्जैन।

उज्जैन में आगामी एक और दो मार्च को होने वाले रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कुल 56 प्रोजेक्ट का भूमिपूजन और लोकार्पण करेंगे। ये प्रोजेक्ट भोपाल, उज्जैन और इन्दौर सहित प्रदेश के 20 अलग-अलग जिलों में स्थापित होंगे।

अनुमान के मुताबिक इन 56 प्रोजेक्ट से 10 हजार करोड़ से ज्यादा निवेश आएगा। जानकारी के मुताबिक इन परियोजनाओं से 17 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलने की संभावना है।

एमपीआईडीसी के मुताबिक यह एक बड़ा निवेश सम्मेलन है, इसमें अभी तक 35 कंपनियों से 74 हजार 711 करोड़ के निवेश प्रस्ताव पर सहमति बनी है। समिट शुरू होने तक यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। अभी तक इस समिट में भाग लेने के लिए 831 इन्वेस्टर्स और 30 फॉरेन डेलिगेट्स के भाग लेने की स्वीकृति मिल चुकी है।

समिट के लिए अब तक 3 हजार 200 यूनिट ने कराया रजिस्ट्रेशन

उज्जैन निवेश सम्मेलन में निर्यात को बढ़ावा देने पर जोर है। बायर-सेलर मीट पर काफी फोकस किया जा रहा है। अभी तक 3 हजार 200 से ज्यादा यूनिट् ने बायर-सेलर मीट में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। इसके जरिए प्रदेश के उत्पादकों, कृषि उपजों, हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट्स को वैश्विक बाजार तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी। इसमें स्थानीय उत्पादकों को अपना प्रोडक्ट बेचने के लिए आसानी से नेशनल और इंटरनेशनल खरीदार मिल जाते हैं।

निवेशकों से सीएम डॉ. यादव वन टू वन करेंगे चर्चा

जानकारी के मुताबिक इस समिट में बड़े उद्योगपतियों को सीधे बुलाने के बजाय ऐसे इन्वेस्टर्स को बुलाया गया है जो तुरन्त निवेश के लिए तैयार हो। ऐसे निवेशकों से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वन टू वन मुलाकात भी कर सकते हैं जिससे निवेशक सीधे अपनी बात सीएम के सामने रख सकें।

इंडिया गठबंधन की एनडीए गठबंधन को कड़ी टक्कर

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा अंतिम चरण में है। राहुल गांधी कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा जिन राज्यों गई वहां कांग्रेस का कोई प्रभाव नहीं था। उन राज्यों में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से लोगों को जोड़ने, उनकी समस्याओं को उभारने, आम जनता से जुड़े हुए मामले, जिन में अग्निवीर, किसान, फसलों की एमएसपी, रोजगार,न्यूनतम मजदूरी गारंटी तथा पिछड़ा वर्ग, एसटी- एससी और अल्पसंख्यकों को जिसकी जितनी आबादी उसकी उतनी हिस्सेदारी की बात कहकर जनमानस को जोड़ने, का काम किया है। पिछले 10 वर्षों में अदानी और पूंजी पत्तियों के लाखों करोड़ रुपए के कर्ज माफ करने, मोदी सरकार द्वारा किसानों के कर्ज माफ नहीं करने, अमीर-अमीर हो रहे हैं। गरीब-गरीब हो रहे हैं। स्थाई नौकरी के स्थान पर कांटेक्ट पर नौकरी देने, जैसे मामलों में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से लगभग सभी वर्गों को जोड़ने में उन्हें सफलता मिली है। जहां कांग्रेस और राहुल गांधी का कोई प्रभाव नहीं था। उसके बाद भी उन्हें जो जन समर्थन मिला है। उसके कारण इंडिया गठबंधन और भी मजबूत होकर उभर रहा है। इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दल उसी तर्ज पर अपने-अपने राज्यों में जनता के बीच जाकर, भारतीय जनता पार्टी और डबल इंजन की सरकारों के प्रति माहौल बनाने रैली कर रहे हैं। आम जनता की नाराजगी, उनका डर ओर भय खत्म करके, आम जनता को सड़कों पर लाकर खड़ा कर दिया है। इसका असर अब इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दलों में देखने को मिल रहा है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के लिए छह मुद्दे तैयार किए हैं। उन मुद्दों को लेकर इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दलों के बीच में आम सहमति बन गई है। हर राज्य में क्षेत्रीय दलों के साथ सीटों के बंटवारों को लेकर कांग्रेस ने लगभग लगभग सहमति बना ली है। राहुल गांधी को यह अच्छी तरह से समझ में आ गया है, कि बिना क्षेत्रीय दलों के सहयोग से विपक्ष भारतीय जनता पार्टी से लोकसभा के चुनाव की लड़ाई को जीत नहीं सकता है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की सफलता और अपार जनसमूह जुड़ने से इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दल अब अच्छी तरह से समझ गए हैं, कि उन्हें यदि भाजपा का मुकाबला करना है। तो जनता के बीच एकजुट होकर जाना पड़ेगा। 1977 में आपातकाल के बाद जिस तरह का माहौल 1977 में बना था। सभी राजनीतिक दलों ने जनता दल के नाम से एक नया दल बनाया। सभी राजनीतिक दलों ने अपने अस्तित्व को समाप्त कर, एक ही चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ा था।इंदिरा गांधी को भारी चुनौती देते हुए केंद्र की सत्ता में पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार बनी थी। वही स्थिति वर्तमान में दिखने लगी है। पहले आपातकाल का डर था। अब अघोषित आपातकाल का डर है। जिसमें सभी विपक्षी दलों के नेताओं और सरकार का विरोध करने वालों को जेल भेजा जा रहा है। उसे समय भी जो डर और भय आम जनता के बीच आपातकाल को लेकर था। अब वह मोदी सरकार के समय पर बना हुआ है। राष्ट्रीय स्तर पर आम जनता को विश्वास दिलाने कि यदि विपक्ष सत्ता में आएगा।तो वह कौन सा बदलाव करेंगे। इस गारंटी के साथ इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव के मैदान में उतरेगा। पूंजीवाद के खिलाफ, जाति जनगणना के माध्यम से सभी वर्गों को, आबादी के अनुसार भागीदारी, किसानों को एमएसपी और कर्ज माफी की गारंटी, मजदूरों को न्यूनतम रोजगार की गारंटी, बेरोजगारों को स्थाई नौकरी देने, सेना, रेलवे, बैंक, सरकार के खाली पदों पर स्थाई भर्ती की गारंटी लेकर ,इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दल लोकसभा चुनाव के समर में उतरने जा रहे हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को सभी राज्यों में भारी जन समर्थन मिला है। हाल ही में तेजस्वी यादव ने बिहार में इसी तरह की यात्रा शुरू की है। तेजस्वी की यात्रा में भारी संख्या में लोग जुड़ रहे हैं। लोग रात को 12 बजे तक तेजस्वी को सुनने के लिए खड़े रहते हैं। इससे क्षेत्रीय दलों का हौसला तेजी से बढ़ा है। विपक्षी इंडिया गठबंधन के नेताओं के बीच जिन मामलों को लेकर दूरियां थी। वह आपस में अब सुलझाने लगे हैं। इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दलों को अब यह विश्वास हो चला है, वह एकजुट होकर लड़ेंगे। तभी जाकर वह लोकसभा के चुनाव में जीत पाएंगे। भाजपा की नीतियों के खिलाफ जनता के बीच जाकर जन जागरण कर वह लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। ऐसी स्थिति में उन्हें सफलता मिलना तय है। देश के विभिन्न हिस्सों में महंगाई,बेरोजगारी ,कर्ज,

सनत कुमार जैन

एमएसपी, रोजगार इत्यादि को लेकर, आम जनता के मन में जो नाराजी है। उसे इंडिया गठबंधन ने पहचान लिया है। उन्हीं मुद्दों को लेकर कांग्रेस एवं विपक्षी दल उत्साह के साथ प्रादेशिक स्तर पर इस लड़ाई को आगे बढ़ा रहे हैं। सभी विपक्षी दल समझ गए हैं, कि एकजुट होकर वह नहीं लड़ेंगे, तो एक-एक करके मारे जाएंगे। जनता को वह किन मामलों में राहत देने जा रहे हैं। इसकी उन्हें गारंटी के रूप में जनता का विश्वास जीतना होगा। मोदी की गारंटी का जवाब, अब इंडिया गठबंधन देने की स्थिति में आ गया है। बसपा जैसे राजनीतिक दल भी अब इंडिया गठबंधन में जुड़ने की स्थिति में आ गए हैं। यह इंडिया गठबंधन की सबसे बड़ी सफलता दिख रही है। वहीं भारतीय जनता पार्टी इस बदली हुई राजनीतिक स्थिति से हैरान परेशान है।

औद्योगिक क्षेत्र में लीज़ पर जमीन लेकर नियम विरुद्ध कार्य करने वाला देवेंद्र अनअधिकृत स्कीमों के साथ लोगों को टोपी पहनाने में है मास्टर माइंड

नाबालिक बेटे-बेटी के नाम से एक ही टीन नंबर पर दो फर्जी उपहार स्कीम के नाम पर लोगों के साथ ठगी करने व शासन को चूना लगाने का मामला

माही की गूंज, झाबुआ।

जो व्यक्ति सिर्फ और सिर्फ अपना ही स्व:हित देखता है ऐसे शातिर व्यक्ति के बारे में किसी भी इंसानियत की बात हम देखने जाएंगे तो वह बेमानी ही साबित होगी। यानी कि अपना ही स्व:हित देखने वाला व्यक्ति अपना हित साधने के लिए किसी भी निचले स्तर पर जा सकता है और वह अपने शातिराना विचारों के आधार पर सदैव लोगों को गुमराह करना और अपना हित साधना ही मुख्य उद्देश्य रहता है।

हम बात करें मेघनगर में औद्योगिक क्षेत्र में लीज पर जमीन लेकर प्लाट नंबर 12 बी में रहकर शासन की सभी गाइड लाईन को ताक में रखकर अवैध रूप से निर्माण करने के साथ मांसाहारी ढाबा व अवैध शराब परोसने वाले देवेंद्र की तो उसने कई निजी स्कीमें फर्जी रूप से संचालित कर लोगों को ठगने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। माही की गूंज में जब देवेंद्र के कारनामे प्रकाशित होने के बाद उसका मांसाहारी ढाबा और अवैध शराब का धंधा वर्तमान में बंद होने से ऐसा बौखलाया कि वह हमारे खिलाफ भी कई तरह के षड्यंत्र तक करने लगा यहां तक की चरित्र हनन तक के सोशल मीडिया पर आरोप लगाने में शातिर देवेंद्र भानपुरिया पीछे नहीं रहा। लेकिन हम पहले भी यह लिख चुके हैं कि, हम ऐसे झूठे आरोपों व किसी भी माफिया या दबंगो के आगे हमारी निष्पक्ष कलम कभी नहीं झुकेगी और कभी नहीं रुकेगी।

जब देवेंद्र के फर्जी कारनामे माही की गूंज में उजागर हुए तो उसके बाद हमें कई जानकारियां प्राप्त हुई जिसमें से एक यह भी जानकारी सामने आई कि, देवेंद्र भानपुरिया का शातिराना दिमाग ऐसा है कि, वह अपने आप को बहुत बड़ा शातिर दिमाग वाला बुद्धिमान व्यक्ति मानता है और लोगों के साथ ठगी करने में बहुत बड़ा मास्टरमाइंड भी है। विशेष सूत्रों द्वारा तथ्यात्मक जानकारी देते हुए बताया कि, देवेंद्र भानपुरिया मध्य प्रदेश में पूर्ण रूप से प्रतिबंधित उपहार योजनाओं का भी संचालक कर लोगों के साथ कई बार धोखाधड़ी की गई। बताया जा रहा है कि, देवेंद्र भानपुरिया ने अपने नाबालिक बेटे व बेटी के नाम से कई ऐसी फर्जी स्कीमें उपहार के नाम से संचालित कर चुका है जो कि, मध्य प्रदेश में पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है।

टोपी पहना देवेन्द्र लोगो को फर्जी स्कीमो के साथ कई तरह से टोपी पहनाने मे है मास्टर माईड।

17 करोड़ का मामलाः एक ही टीन नंबर पर दो फर्म के नाम से स्कीम का संचालन

हमारे सूत्र ने जानकारी देते हुए बताया कि, जिस तरह से फर्जी उपहार स्किमो का संचालन देवेंद्र भानपुरिया करता रहा है। ऐसे में कैटलॉग की छायाप्रति 2016-2017 में संचालित की गई फर्जी उपहार योजना स्कीम जो की पूर्णरूप से मध्य प्रदेश में प्रतिबंध होकर अवैध है। ऐसी स्कीमों का संचालन करने के साथ विज्ञापन के रूप में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर रखी है। हमारे सूत्रों की दी हुई जानकारी के बाद जब हमने पुष्टि करने हेतु देवेंद्र भानपुरीया के सोशल मीडिया फेसबुक अकाउंट को खंगाला तो सामने आया कि देवेंद्र भानपुरिया ने अपने फेसबुक अकाउंट पर दो अलग-अलग फर्जी उपहार योजना स्कीम के 12-12 पेज के कैटलॉग की छायाप्रति विज्ञापन के रूप में पोस्ट सार्वजनिक रूप से स्कीम शुरू होने के दिनांक के पूर्व 2 मई 2016 व 18 जनवरी 2016 में पोस्ट की हुई है। उक्त फर्जी उपहार योजना की एक स्कीम 27 फरवरी 2016 से शुरू होकर 27 अप्रैल 2017 तक संचालित किया जाना बताया। उक्त स्कीम में प्रतिमाह 12 सौ रुपये प्रति ग्राहक से 14 माह तक वसूली कर कुल 16 हज़ार 800 सौ रुपए प्राप्त किया जाना जिसमें कुल ग्राहक संख्या 6हजार 9सौ 99 दर्शायी गई है। यानीकी प्रति ग्राहक 16 हज़ार 8 सौ मल्टीप्लाई 6999 बराबर 11 करोड़ 75 लाख 83 हज़ार 2 सौ रूपये प्राप्त उक्त संचालित की गई स्कीम के आधार पर होता है। जिसमें दो बंपर उपहार के साथ कुल 378 उपहार में ट्रैक्टर, बुलेट, बाइक, स्कूटी, मोबाइल, माइक्रो ओवन आदि उपहार 15 माह में लॉटरी के द्वारा खोल दिया जाना उल्लेख है। साथ ही 378 को छोड़ बाकी सभी ग्राहकों को कंपलसरी 32 इंची एलइडी टीवी या सोफा जिसकी अनुमानित कीमत 8 हज़ार के करीब का देना बताया गया। यानीकी 16800 प्राप्त कर 378 को छोड़ बाकी 6621 सदस्य को 8 हज़ार के करीब का सामान देकर मोटी कमाई किया जाना सामने आ रहा है।

उक्त स्कीम तुषार इलेक्ट्रॉनिक मेघनगर जिस पर वेबसाइट भी दर्शायी गई है एवं उक्त फर्म का टीन नंबर 23701802762 दर्शाया हुआ है। उक्त स्कीम में पेज नंबर 11 पर दूसरे हिस्से में दर्शाया गया है कि मैं ग्राहक तुषार इलेक्ट्रॉनिक्स मेघनगर वाला की टीवी, सोफा सेट की बुकिंग योजना में हिस्सा ले रहा हूं , इस योजना में 14 माह तक प्रतिमाह 12 सौ रुपये जमा करना है। वही पेज नंबर 12 पर 14 बिंदुओं में नियम शर्तें लिखी गई जो संचालक के पक्ष में ही पूरी तरह दर्शाता है।

वहीं इसी तरह की दूसरी स्कीम भूमिका सेल्स एंड तुषार इंडस्ट्रीज मेघनगर के नाम से 6 माह बाद 15 अगस्त 2016 से शुरू कर विशेष दो बंपर इनाम के साथ इस योजना में भी 378 उपहार रखे गए थे। जो स्कीम प्रतिमाह 8 सौ रुपये 14 माह में 11200 रुपये वसूल किया जाना उल्लेख किया है। उक्त दुसरी फर्जी स्कीम में 4हजार 9सौ 99 ग्राहक बनाए गए। जिसमें 378 ग्राहक को छोड़ 4621 सदस्य को 24 इंची एलइडी टीवी, वाटर प्यूरीफायर या वाटर कूलर अनुमानित कीमत 6 हज़ार के करीब का माना जा रहा है जो 11 हज़ार 2 सौ प्राप्त कर 6 हज़ार के करीब की सामग्री देकर मोटा मुनाफा कमाया होगा।

उक्त स्कीम में ग्राहक 4999 मल्टीप्लाई 11200 कुल प्राप्त राशि 5 करोड़ 59 लाख 88 हज़ार 8 सौ रुपये प्राप्त किया जाना सामने आ रहा है। उक्त दुसरी भूमिका सेल्स एंड तुषार इंडस्ट्रीज मेघनगर फर्म वाली स्कीम के कैटलॉग के पेज नंबर 11 पर भी वही टीन नंबर जो तुषार इलेक्ट्रॉनिक मेघनगर के फर्म पर अंकित है 23701802762 दर्शाया हुआ है। दोनों फर्जी स्कीमों पर मोबाइल नंबर 9993819222, 9425414245 अंकित है। लेकिन दोनों फर्जी स्कीमों में प्रोपाइटर का नाम अंकित नहीं होकर सिर्फ अपने नाबालिक बेटे-बेटी के नाम से ही उक्त फर्जी स्कीम संचालित की गई। जिसका दोनों स्कीमो का टर्नओवर 17 करोड़ 35 लाख के करीब होता है। वहीं दो अलग-अलग फर्मो के नाम से एक ही टीन नंबर के साथ संचालित की गई उक्त फर्जी उपहार योजना स्कीम में करीब 12 हजार इलेक्ट्रॉनिक टीवी, सोफा सेट व वाहनों की भी खरीदी की गई होगी। तय है यह मामला 17 करोड़ के ऊपर का है ऐसे में उक्त फर्जी स्कीम किस आधार पर संचालित की गई है। तथा उक्त स्कीम अगर संचालित की गई है तो खरीदी हुई सामग्री एवं टर्नओवर का हिसाब एवं लेनदेन किस फर्म में दर्शाकर इनकम टैक्स में हिसाब दिया है...? यह भी बड़ा जांच का विषय है। वहीं अगर यह स्कीम संचालित की गई है तो तय है हमारे कानुनानुसार फर्जी उपहार योजना के नाम से लोगों के साथ यह ठगी का बड़ा मामला है। जो तथ्यात्मक रूप से देवेंद्र भानपुरिया खुद उक्त फर्जी स्कीम को संचालित करने की पुष्टि करते हुए अपने फेसबुक अकाउंट पर स्कीमों को विज्ञापन के रूप में सार्वजनिक रूप से पोस्ट कर प्रसारित किया हुआ है। ऐसे में पुलिस व प्रशासन भी मामले को अगर गंभीरता से लेना चाहे तो जांच के साथ आपराधिक प्रकरण बनता है।

हमारे सूत्र बताते हैं कि, देवेंद्र भानपुरिया सिर्फ और सिर्फ अपने शातिराना दिमाग से लीज पर ली गई जमीन पर एग्रीमेंट के विरुद्ध कई ऐसे कार्य किए हैं जो अपराध की श्रेणी में आता है। वहीं लोगों को फर्जी स्कीमों के नाम पर ठगी करने वाला देवेंद्र अपने प्रभाव को प्रदर्शित करने के लिए अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर स्थानीय एवं तात्कालिक मंडल अध्यक्ष वाले पोस्टर के साथ तात्कालिक मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, तात्कालिक विधायक कलसिंह भाभर, कैलाश विजयवर्गीय आदि प्रभावशील नेताओं के फोटो फर्जी उपहार योजना स्कीमो के कैटलॉग की छायाप्रति की तरह पोस्ट किए हुए हैं। ताकि प्रशासनिक अमला देवेंद्र भानपुरिया के प्रभाव को सोशल मीडिया पर पोस्ट किए हुए प्रभावी नेताओं के फोटो को देख अधिकारी वर्ग देवेंद्र के प्रभाव को समझ सके और किसी भी तरह की बड़ी कार्रवाई से बच सके का उद्देश्य शातिर देवेंद्र का होना बताया जा रहा है।

स्कीम न.1 में 6999 ग्राहक संख्या संचालक तुषार इलेक्ट्रानिक मेघनगर।

स्कीम न. 1 में 32 इंच एलईडी की गारंटी व तुषार इलेक्ट्रानिक मेघनगर के नाम से लागु फर्जी योजना में तीर निशांत के उपर टीन न. 23701802762 अंकीत।

स्कीम 1 में 13 व 14 महीने का दिया हुआ उपहार।

स्कीम 1 में अनिवार्य उपहार 32 इंची टीवी या सोफा सेट, तथा 2 अंतिम बम्पर उपहार।

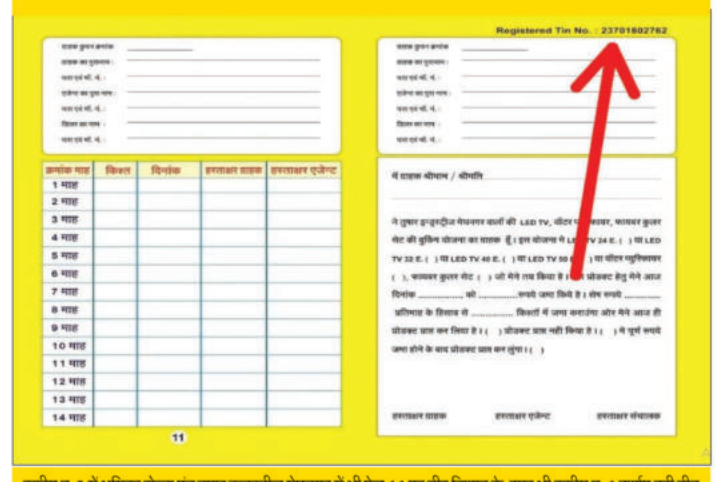

स्कीम न. 2 में 4999 ग्राहक जिसमें संचालक तुषार इन्ड्रस्ट्रीज मेघनगर भी दर्शाया गया।

स्कीम न. 2 में भूमिका सेल्स एंड तुषार इन्ड्रस्ट्रीज मेघनगर में भी पेज 11 पर तीर निशान के उपर भी स्कीम न. 1 दर्शाए वही टीन न. 23701802762

स्कीम न. 2 में भूमिका सेल्स एंड तुषार इन्ड्रस्ट्रीज मेघनगर के नाम से 24 इंची टीवी की गारंटी वाली फर्जी योजना।

इस तरह से देवेन्द्र अपनी फेसबुक आईडी पर फर्जी स्कीमो के विज्ञापन के साथ अपने प्रभाव को प्रदर्शित करने हेतु प्रभावी नेताओं के फोटो भी कर रखे पोस्ट।

स्कीम न 2 मे 24इंची टीवी या वाटर फिल्टर, वाटर कुलर शेष 2 अंतिम बम्पर उपहार के साथ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422